# मिशन शिक्षण संवाद

# SCIENCE

## हमारा परिवेश

मिशन शिक्षण संवाद

## कक्षा 3

MISSION
SHIKSHAN
SAMVAD

## दैनिक पठन - पाठन

निर्माणकर्ता

डॉ नीतू शुक्ला
उन्नाव

डॉ उषा सिंह
वाराणसी

**विषय- हमारा परिवेश पाठ-हमारा परिवार प्रकरण- पारिवारिक रिश्ते कक्षा - 3**

मिशन शिक्षण संवाद

मधु के दादाजी बाजार जा रहे हैं। बाजार से शक्कर, नमक और सरसों का तेल लाना है माँ ने मोनू के लिए पेन मंगाया है और धागे भी मधु को पेंसिल बॉक्स खरीदना है। वह भी दादाजी के साथ बाज़ार जा रही है।मधु और दादाजी घर से निकले ही थे कि पीछे से आवाज आई-"दादीजी की दवा का पर्चा तो घर पर ही रह गया है। दादीजी की दवा भी लानी है।" मधु ने पलटकर देखा तो मोनू था। दादाजी ने पास के मेडिकल स्टोर से दवा खरीदकर मोनू को दे दी। घर आकर उसने दादी को दवा खिलाई।दादाजी परिवार के सभी लोगों की जरूरतों का ध्यान रखते हैं। सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करते हैं। सभी की बातों को सुनते हैं दादाजी घर के मुखिया हैं। मधु के दादाजी की तरह उसकी दोस्त शीतल की मां भी अपने परिवार का ध्यान रखती हैं। शीतल के पापा और चाचा शहर में काम करते हैं।

मोनू दादी

मधु दादा जी

## *अभ्यास कार्य-*

दिए गए पारिवारिक रिश्तों के अनुसार घर के सदस्यों के नाम उचित स्थान पर लिखें -

2

| | |
|---|---|
| दादा | |
| दादी | |
| माँ | |
| पिताजी | |
| चाचा | |
| चाची | |
| नाना | |
| नानी | |
| भाई | |
| बहन | |
| मामा | |
| मामी | |

## *रिक्त स्थानों की पूर्ति-*

क .दादा जी..........जा रहे थे।
ख.बाजार से दादी की .....लानी थी।
ग. माँ ने मोनू के लिए.........मंगवाया।
घ.मधू को बाजार से .......लेना था ।
ड.दादी जी को दवा...... ने खिलाई ।
च. मधू की दोस्त का नाम.......था।
छ. दादा जी सबके साथ .......व्यवहार करते हैं।

## *मिलान कीजिये*

| | |
|---|---|
| नाना | अंकल |
| चाचा | मामी |
| मामा | फूफा |
| बुआ | काकी |
| काका | दादी |
| दादा | भाभी |
| भैया | नानी |
| आंटी | चाची |

## *गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये।*

क. बुजुर्गो के साथ हमे कैसा व्यवहार करना चाहिए?
ख .शीतल के चाचा और पापा कहाँ रहते है?
ग.घर में सबकी जरूरतों का ध्यान कौन रखता है?
घ.बचपन मे हमें कहानियां कौन सुनाता है?
ड.मधु के परिवार में मुखिया कौन है?
च.दादा जी के साथ बाजार कौन जा रहा है?
छ. दादी जी के लिए बाजार से क्या लाना था?

मिशन शिक्षण संवाद

बाजार से लौटकर दादाजी और मधु घर पहुँचे। माँ आँगन साफ कर रहीं थी। घर में पड़ोस के सुरेश चाचा बैठे थे। मधु ने उन्हें प्रणाम किया उनके लिए मिठाई और पानी लेने गई. लेकिन घर में मिठाई तो थी नहीं मधु सोचने लगी, पानी के साथ क्या दे? तभी देखा पापा पानी और बिस्किट लेकर आए। सुरेश चाचा ने बिस्किट खाया और पानी पिया। दादाजी से थोड़ी देर बात करके सुरेश चाचा चले गए। मधु ने झोले से पैन निकालकर मोनू को दे दिया। शक्कर, नमक और तेल लेकर मोनू ने रसोई में रख दिया। माँ ने धागे ले लिए। मधु ने अपना बॉक्स लिया। मधु के परिवार में खेती का काम होता है। खेती के अलावा उसके पापा कपड़ों पर प्रेस (इस्त्री) भी करते हैं। माँ, मधु और मोनू इस काम में उनकी मदद करते हैं। अब तो मोनू ने भी अपने पापा से प्रेस करना सीख लिया है। दादाजी के साथ मधु और मोनू पेड़-पौधों की देखभाल भी करते हैं। परिवार के लोग मिलजुल कर घर के सभी काम करते हैं।

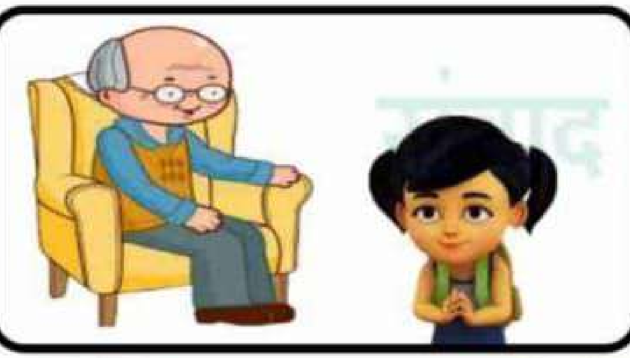

## *अभ्यास कार्य-*

***गद्यांश पढ़ कर व चित्र देख कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-***

क. मधू के घर पड़ोस से कौन आया ?
ख. मधू बाज़ार से मोनू के लिए क्या लायी?
ग.मधू के पापा क्या काम करते है?
घ.मधू के परिवार में क्या काम होता है?
ड.मधूऔर मोनू क्या काम करते है?
च.मधू के भाई का क्या नाम है?
छ.मधूऔर मोनू ने दादाजी से क्या सीखा?

## *शब्द-युग्म*

(स्त्रीलिंग-पुल्लिंग शब्द लिखिए)

माता जी
पिता जी

माता-...,दादी–....
भाई ...,चाची....
मामा....,काका...
बुआ-....,आंटी....
नाना....,लड़का..

***उत्तरमाला क्रमांक-1***

प्र.उ.-
क. सम्मानजनक
ख. शहर में
ग.दादा जी
घ.दादा/दादी
ड.मधु
च.दवी

रिक्तस्थान व वर्गपहेली स्वयं प्रयास करें।

परिवार हमारी पहली पाठशाला होता है।हम सब परिवार के साथ रहते हैं हमारे परिवार में माता-पिता, भाई-बहन, ताऊ-ताई. चाचा-चाची होते हैं बुआ भी होती हैं। हम अपने परिवार से ही सबसे पहले सीखना शुरू करते हैं । परिवार में सब लोग मिलजुल कर काम करते हैं। साथ में खाना खाते हैं। मिलजुल कर त्योहार मनाते हैं। साथ-साथ घूमने जाते हैं किसी के बीमार होने पर परिवार सभी लोग देखभाल करते हैं परिवार के लोग एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करते हैं। दादाजी एवं दादीजी हमें कहानियाँ सुनाते हैं हमारे साथ खेलते भी हैं। पढ़ने में भी सभी लोग हमारी मदद करते हैं। परिवार में हम सभी एक दूसरे से बहुत कुछ सीखते हैं।

मधू और उसका परिवार

आपके परिवार में कौन क्या काम करता है ?

क. पिता जी-...............

ख.माता जी-...............

ग.दादा जी-...............

घ.दादी जी-...............

ड.बुआ जी-...............

च.भाई-...............

छ. चाचा जी-...............

## अभ्यास कार्य

**गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये-**

क. हमारी पहली पाठशाला किसे कहते है?

ख. परिवार में कौन कौन होता है?

ग. हम सीखना कहा से शुरू करते है?

घ.परिवार क्यों जरूरी होता है?

ड़.हमें कहानी कौन सुनाता है?

### गतिविधि

छात्रों से अपने परिवार के सदस्यों के नाम लिखने को कहेंगे साथ ही उनका चित्र बनाने को कहा जायेगा। श्यामपट्ट पर परिवार वर्ग पहेली द्वारा प्रकरण को रोचक बनाया जाएगा

### कौन क्या कहलाता है-

क. पिता जी के पिता जी-

ख. पिता जी की माता जी

ग.माता जी की माता जी

घ.माता जी के पिता जी

ड.पिता जी के छोटे भाई

च.माताजी की बहन

### उत्तरमाला क्रमाक-2

प्र./उ.

क. सुरेश चाचा

ख. पैन

ग.प्रेस का काम

घ.कृषि कार्य

ड.सबकी मदद करना

च.मोनू

छ. पेड़ पौधों की देखभाल

शब्द-युग्म छात्र स्वयं करें

## अभ्यास कार्य 4

मधु मोनू की गुल्लक

मधु का परिवार

1. प्रश्नों के उत्तर लिखो-

क. मधु के परिवार में कौन-कौन है ?
ख. मधु किसके साथ बाजार गई ?
ग. दादी को दवा किसने खिलाई ?
घ. माँ ने बाजार से क्या-क्या मंगवाया?
ङ. सीखने की पहली पाठशाला किसे कहते हैं ?
च. परिवार के साथ मिलकर हम क्या-क्या करते
छ. गुल्लक के पैसे से मधु और मोनू क्या खरीदेंगे
ज. मधु के परिवार में क्या-क्या काम होता है ?

मधूऔर मोनू की मेज

2. सही कथन के सामने (,✓) का गलत कथन के सामने (x) का निशान लगाओ-

क.मधु के घर में केवल उसके मातापिता हैं(.....)
ख.मधु और मोनू घर के कामों में हाथ बंटाते हैं(.....)
ग. परिवार हमारी पहली पाठशाला है(.....)
घ. मोनू और मधु पेड़-पौधों की देखभाल करते हैं(.....)
ड. दादाजी परिवार के सभी लोगों का ध्यान नहीं रखते हैं (.....)
च. शीतल के पापा और चाचा शहर में काम करते हैं। (.....)
छ, मधु ने सुरेश चाचा को प्रणाम नहीं किया(.....)

## रिक्तस्थानो की पूर्ति-

क. मधू.......परिवार में रहती है।
ख. मधू के भाई का नाम......है ।
ग.मधू के दादा जी ......बाजार जा रहे हैं।
घ.दादा जी परिवार के .......मुखिया हैं।
ड.सुरेश चाचा मधू के.......पड़ोसी हैं।
च.मधू के पिता जी ......का काम करते हैं ।
छ. परिवार में .......कार्य होता है।
ज.दादी जी ने बाजार से ......मंगवाई।
झ.मधू अपने लिए.........लायी।

### उत्तरमाला क्रमांक-3

प्रश्न/उत्तर- **शेष प्रश्न छात्र स्वयं प्रयास करके लिखें।**
क. परिवार
ख. माता-पिता,दादा-दादी व भाई
ग.परिवार से
घ.प्रेम व सहयोग के लिये
ड.दादा-दादी

क्रमांक 4 पुनरावृत्ति अभ्यास कार्य है,अतः छात्र स्वयं प्रयास करके सभी प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे,जिन्हें पूर्व में स्पष्ट किया जा चुका है।

क्रमांक 5

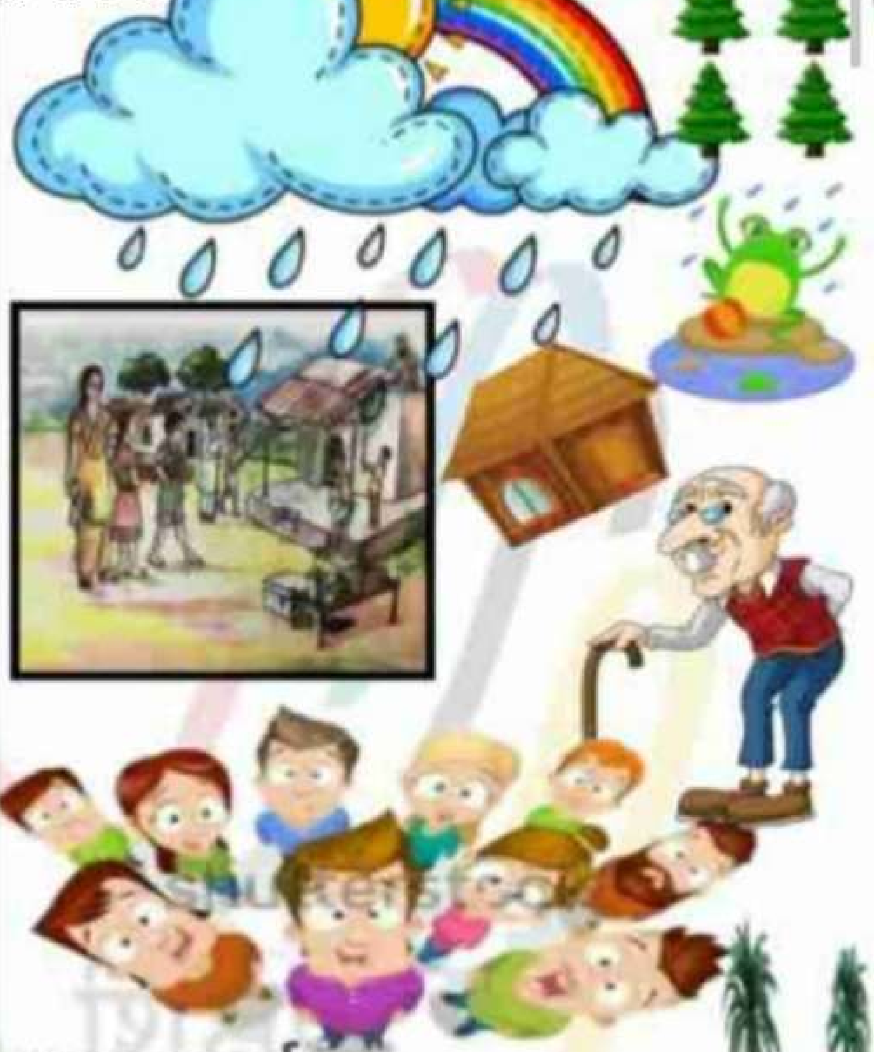

अरे! क्या हुआ ? काका झोपड़ी से बाहर क्यों भाग रहें हैं? पास खेलते हुए रमन ने विवेक से कहा । देखो! इरफान काका की झोपड़ी तो गिर रही है? कल तक तो ठीक थी। यह कैसे हुआ ? वहीं खड़ी राधिका बोली। काका को चोट तो नहीं आई? उनके घर का सामान भी दब गया होगा ।चलो! हम सब चलते हैं।रमन, विवेक और राधिका भागकर काका की झोपड़ी के पास पहुँचे। काका के सभी पड़ोसी भी इकट्ठा हो गए थे। पड़ोस की सरला दीदी भी वहाँ पहुँच गई दीदी ने कहा- काका क्या हुआ? इतना घबरा क्यों रहे हैं? इरफान काका ने कहा- अरे मैं अकेले क्या करु? कुछ समझ में नहीं आ रहा ,मेरी झोपड़ी गिर गई है। तुम्हारी काकी और जावेद भी यहाँ नहीं हैं। सामान दब गया है। कैसे निकालूँगा ? कहाँ रहूँगा? बारिश का समय है। मुझे जल्दी ही सब कुछ सँभालना है इतनी जल्दी में सब कुछ कैसे होगा? इरफान काका अपने पड़ोसियों की सदैव मदद करते हैं । उनको देखकर सभी चिन्तित थे ।काका के पास इकट्ठा सभी पड़ोसी बोले आप चिन्ता न करें काका। आप अकेले नहीं हैं, हम सब आपके साथ है फिर सब मिलकर काका की झोपड़ी ठीक करने की बात करने लगे।

## अभ्यास कार्य-

गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क. किसकी झोपड़ी गिर रही थी?

ख. इरफान काका के पड़ोसी कौन कौन थे?

ग. इरफान काका के बेटे का क्या नाम था?

घ.किस मौसम में झोपड़ी गिरी?

ड.इरफान काका का स्वभाव कैसा था?

सही कथन के सामने (√) का और गलत कथन के सामने (x) का निशान लगाओ-

क.पास-पड़ोस के लोगों को प्रणामकरना(...)

ख.जरूरत पर पड़ोसी की मदद करना (...)

ग.अपने पड़ोसी की बुराई करना (...)

घ.पड़ोसी के साथ त्योहार मनाना (...)

ड.अपने पड़ोसी की मदद करना(...)

च.पड़ोसी से मैत्रीपूर्ण संबंध रखना(...)

### गतिविधि

क. अपने पड़ोसियों के नाम लिखो?

ख. आपके पड़ोस में बहुत कूड़ा पड़ा है,आप क्या करेंगे?

ग.आपका सबसे अच्छा दोस्त कौन है?

घ.आपके अपने पड़ोसियों से कैसे संबंध है?

**अच्छी आदतें-** 1.मिलजुल कर रहना,प्रेम से रहना,लड़ाई झगड़ा न करना,सबकी सहायता करना,झूठ न बोलना,सहयोग करना,बड़ो का आदर करना।

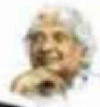

मिशन शिक्षण संवाद

सभी ने मिलकर झोपड़ी में दबे सामान को बाहर निकाला। तनवीर चाचा ने कहा ,मेरे पास सूखे बांस हैं, मैं ले आता हूँ। सरला दीदी ने अपने घर से पुआल लाकर दिया। सभी मिलकर काका की झोपड़ी बनाने लगे ।सरला ने पड़ोस के राकेश और मोहन चाचा को भी फोन करके बुला लिया। सभी ने मिलकर बाँस गाड़े, पुआल से छप्पर बनाया । रमन, विवेक और राधिका ने टूटे सामान को छाँटकर अलग किया ,घर के सामान को ठीक से लगाया और घर की सफाई की। रमन ने पूछा, अरे! यह कूड़ा-कचरा कहाँ रखा जाए ? सरला दीदी ने कहा- इसे घूर गड्ढे में डाल आओ।

रमन ने सारा कचरा घूर कूड़े में डाल दिया।

## अभ्यास कार्य-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर गद्यांश से खोज कर लिखिए-

क. तनवीर चाचा ने इरफान काका की मदद कैसे की ?

ख .सरला दीदी अपने घर से क्या लायी?

ग.बांस किसने गाड़े?

घ.घर की सफाई किसने की?

ड.हमें खुद कचरा कहाँ फेंकना चाहिए?

2.3

## रिक्त स्थान भरो-

क.बरसात में .........की झोपड़ी गिर गयी।

ख.झोपड़ी बनाने में ........की जरूरत होती है।

ग. मोहन चाचा,इरफान काका के ........थे।

घ.कूड़ा सदैव ..........में फेंकना चाहिए।

ड.झोपड़ी ........में गिरी ।

च.रमा ने सारा कूड़ा .............में फेंका।

छ. गाँव मे लोग कूड़ा .........में फेंकते है।

ज.हमेंअपने आसपड़ोस को .......रखना चाहिए।

## गतिविधि

चित्र पहचान कर नाम लिखो-

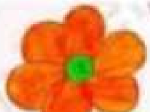

### उत्तरमाला क्रमांक 1

क. इरफान काका की

ख. रमन,विवेक,राधिका और सरला

ग.जावेद

घ.बरसात में

ड.सबकी मदद करने वाले

सही/गलत

क.✓ ख.✓ ग.✗ घ.✓

विवेक ने इरफान काका की चारपाई नई झोपड़ी में रखी। राधिका ने घर से लाकर साफ चादर बिछाई। काका उस पर बैठे। उनकी आँखों से आंसू छलक रहे थे। राधिका बोली, 'इस बार ईद में काकी की सेवइयाँ बहुत मजेदार बनी थीं'। मैंने तो बस एक ही दिन खाई थी, उदास होकर विवेक बोला। 'भाभी ने ईद में बहुत ही स्वादिष्ट खाना भी बनाया था' तनवीर चाचा बोले। सरला दीदी! 'होली में आपके घर की गुझिया भी बहुत मजेदार बनती हैं' राधिका, विवेक और रमन एक साथ बोले। सभी होली और ईद की बातें याद करके हंसने लगे। थोड़ी मुस्कुराहट काका के चेहरे पर भी आई। अब उनकी घबराहट भी कम हो चुकी थी। सभी काका को सलाम करके जाने लगे। इरफान काका भावुक होकर बोले,'आप ने मेरी मुसीबत को अपना समझकर मेरी मदद की है, आप लोगों की इस मदद को मैं सदैव याद रखूँगा। सब एक साथ बोले- 'काका हम सब पड़ोसी हैं, हम सदैव ही एक-दूसरे की मदद करेंगे', काका मुस्कुराए। बाकी लोग भी खुशी-खुशी अपने-अपने घर को चल दिए।

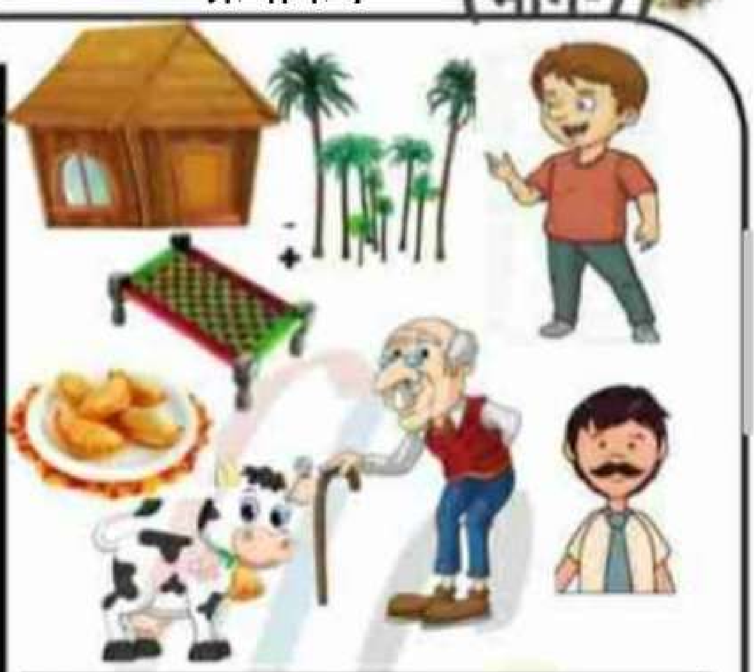

## अभ्यास कार्य

चित्र देख कर त्योहारों के नाम लिखिए-

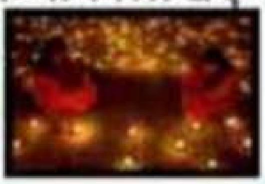

## आओ सीखें कुछ अच्छी आदतें

1. पड़ोसियों से अच्छे संबंध रखना।
2. सबकी मदद करना।
3. बड़ो की बात मानना।
4. बड़ो का सम्मान करना।
5. झूठ न बोलना।
6. वातावरण को स्वच्छ रखना।
7. व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान।
8. नियमित विद्यालय जाना।

गद्यांश के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिये-
क. पड़ोसियों से कैसा संबंध रखना चाहिए ?
ख. इरफान काका की मदद किसने की ?
ग. चाची ने ईद में क्या पकवान बनाया था?
घ. होली पर कौन सा पकवान बनता है ?
ड. इरफान काका की आंख में आंसू क्यों थे?
च. चाचा के लिए चारपाई कौन लाया ?

उत्तर-माला क्रमांक-6
प्र./उ.
क. बांस देकर
ख. पुआल
ग. सबने मिल कर
घ. रमन, विवेक और राधिका
ड. कूड़ेदान में

रिक्त-स्थानों की पूर्ति छात्र स्वयं करें


निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-डॉ नीतू शुक्ला, मॉडल प्राइमरी स्कूल-बेथर 1, सि.कर्ण, उन्नाव 9458278429

# पुनरावृत्ति एवं अभ्यास कार्य पाठ -2 (भाग-8)

क्रमांक 8

**प्रश्नों के उत्तर लिखो-**

क. इरफान काका की झोपड़ी किस मौसम में गिरी ?
ख. रमन,विवेक और राधिका ने इरफान काका की क्या सहायता की?
ग. झोपड़ी बनाने के लिए बास और पुआल किसने दिया ?
घ. पड़ोसी किसे कहते हैं ?
ड.इरफान काका के परिवार में कितने सदस्य हैं?
च.होली में कौन सा स्वादिष्ट व्यंजन बनता है?
छ. ईद का मुख्य व्यंजन क्या है ?
ज.इरफान काका के बेटे का क्या नाम है?

**रिक्त स्थानों की पूर्ति-**

क. इरफान काका की......गिरी।
ख. इरफान काका की मदद .....ने की।
ग.सरला दीदी ने .....दिया।
घ.बांस ......ने दिए।
ड.इरफान काका के बेटे का नाम.....है।
च.इरफान काका का स्वभाव.....है।
छ. वे सबके साथ.......व्यवहार करते है।
ज.हमें सबकी.....करनी चाहिए।
झ.बरसात में बहुत.....बरसता है।

**आओ याद करें-**

क. धार्मिक त्योहार-
होली,दीवाली,दशहरा,क्रिसमस,ईद,
बकरीद,लोहिड़ी,पोंगल,नवरात्रि आदि
ख. मुख्य ऋतुएं-
ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर और बसंत
ग.छायादार वृक्ष-
आम,नीम,पीपल,बरगद,जामुन आदि

**उत्तरमाला क्रमांक-7**
प्रश्न/उत्तर-
क.आत्मीयतापूर्ण
ख.पड़ोसियों ने
ग.सिंवई
घ.गुझिया
ड.प्रेमपूर्ण व्यवहार के कारण
च.विवेक

**होली आई**
होली आई. होली आई ,
सबके मन को खूब है भाई।
नीले-पीले लाल रंगों से ,
भरी-भरी पिचकारी लाई ।
पापड़, मठरी, लड्डू, गुझिया,
सबने मिलकर खूब है खाई।

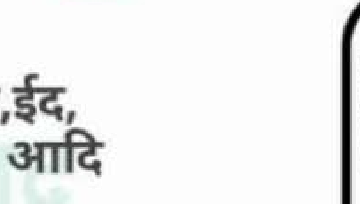

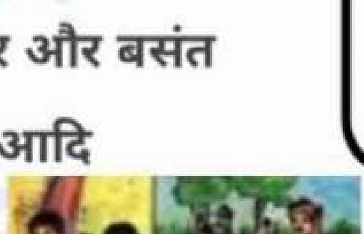

**ईद आई**
ईद आई, ईद आई
सबने घर में सेवई बनाई
सबने सबको गले लगाकर
मिलजुल कर है ईद मनाई।

विषय- **हमारा परिवेश** पाठ- परिवेशीय पेड़-पौधे कक्षा - **3**

प्रकरण- पौधों की पहचान क्रमांक- 9

# मिशन शिक्षण संवाद

**हमारे आसपास तरह-तरह के पेड़-पौधे होते हैं यह एक-दूसरे सेअलग (भिन्न) दिखाई देते हैं तरह-तरह के पेड़ - पौधों को हम पहचानते हैं..**
***पत्तियों से* फलों से* फूलों से* लम्बाई और तने की मोटाई से।**

## पत्तियों के आधार पर पौधों की पहचान

**हमारे आसपास तरह-तरह के पेड़-पौधे होते हैं। पर क्या सभी की पत्तियाँ एक जैसी होती हैं?**
**कुछ पेड़-पौधों की पत्तियाँ लम्बी और नुकीली होती हैं, कुछ की गोल।**
**कुछ पेड़-पौधों की पत्तियाँ बड़ी होती हैं, कुछ की छोटी । कुछ पत्तियों का किनारा कंटीला होता है, कुछ का चिकना।**

## लंबाई और तने की मोटाई के आधार पर पौधे की पहचान

**क्या सभी पेड़-पौधे लम्बाई में एक जैसे होते हैं? क्या सभी पेड़-पौधों के तनों की मोटाई एक जैसी दिखाई देती है सभी पेड़-पौधों के तने एक समान नहीं होते हैं तनों की मोटाई और लम्बाई में भिन्नता होती है। कुछ तनों में शाखाएँ लम्बी होती हैं कुछ में घनी हो जाती है। कुछ तनों में शाखाएँ कम होती हैं जिनकी लम्बाई कम होती है और पतले, लचीले होते हैं, उन्हें हम पौधों के रूप में पहचानते हैं।जिनके तने लम्बे और मोटे हो जाते हैं। इनकी शाखाएँ लम्बी और मोटी हो जाती हैं। इन शाखाओं में से छोटी-छोटी शाखाएँ निकल आती हैं, जिससे ये घनी हो जाती हैं। इन्हें हम पेड़ों के रूप में पहचानते हैं।**

## अभ्यास कार्य

**1-कौन अलग है? घेरा बनाओ।**
**क. नीम, आम, महुआ, तुलसी**
**ख. लौकी, करेला, खीरा, गुलाब**
**ग. आम, अमरूद, पीपल, पपीता**

**2. अलग-अलग पेड़ पौधों को कैसे पहचान सकते हैं?**

**3..अपने आस- पास पाए जाने वाले चार पेड़ों का नाम लिखो।**

**4.पहचानो और नाम लिखो,किस पौधे की पत्तियां है?**

## उत्तरमाला क्रं.8

**"क्रमांक 8 पाठ 2 के अभ्यास प्रश्न व पुनरावृत्ति कार्य है जिसके उत्तर पूर्व में दिए जा चुके है अत: छात्र स्वयं प्रयास करें"**

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-**डॉ. उषा सिंह,सं.वि. भरथरा, का.वि.पी.,वाराणसी**

## बेल या लतायें

वो वनस्पतियाँ लता कहलातीं हैं जो स्वयं उध्वार्धर दिशा में खड़ी नहीं रह सकतीं। इनके तने पतले और कमजोर होते हैं और इतने लम्बे होते हैं कि ये स्वयं खड़ी नहीं होती बल्कि किसी अन्य वृक्ष, दीवार, जमीन आदि पर पसरते हुए वृद्धि करतीं हैं। अंगूर, लौकी, कद्दू आदि लताओं के कुछ उदाहरण है।

## उपयोगी पेड़ पौधे

हम मौसम के विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ खाते हैं। इनको स्वादिष्ट एवं पौष्टिक बनाने के लिए हम कई प्रकार के मसालों का प्रयोगकरते हैं। अलग-अलग मौसम में हम तरह-तरह के फल खाते हैं। सब्जियों व फल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं

पेड़-पौधे हमें कई प्रकार से लाभ पहुँचाते हैं इनसे हमें छाया मिलती है। इनकी लकड़ियाँ हमारे दैनिक जीवन के बहुत सारे कामों में प्रयोग होती हैं।पेड़ों के बिना हम अपने जीवन के बारे में सोच भी नहीं सकते।

## अभ्यास कार्य

1.बेल किसे कहते हैं? किन्ही तीन बेलों का नाम लिखिए।

2.दो ऐसे पेड़ या पौधे के नाम बताओ जिनके फल खाते हैं।

3. पौधे हमारे लिए क्यों उपयोगी है?वर्ग पहेली से ढूंढ कर लिखिए।

| | | | |
|---|---|---|---|
| फ | ल | म | शु |
| फू | क | सा | दूध |
| ल | ड़ी | लें | ह |
| चा | रा | क | वा |
| औ | ष | धि | याँ |

## उत्तरमाला क्र.-9

1. क- तुलसी ख- गुलाब ग- पीपल

2. पत्तियों से, फूलों से, फलों से,

3. आम, नीम, कटहल, पीपल

4. (i) कटहल (ii) आम ( iii) नीम (iv) तुलसी (v) पीपल (vi) पपीता (vii) गुलाब


9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-डॉ. उषा सिंह,सं.वि. भरथरा, का.वि.पी.,वाराणसी

विषय- **हमारा परिवेश** पाठ- परिवेशीय पेड़ पौधे कक्षा - **3**

प्रकरण- पेड़ पौधों की देखभाल क्रमांक- **11**

# मिशन शिक्षण संवाद

**पेड़-पौधे हमारे वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं। ये वातावरण से कार्बन डाई ऑक्साइड लेकर ऑक्सीजन देते हैं, जो सभी जीव- जंतुओं के लिएआवश्यक है।**

हमें जीवित रहने के लिए भोजन और पानी की आवश्यकता होती है।पेड़-पौधों को भी जीवित रहने के लिए पानी, धूप, खाद की आवश्यकता होती है। इसके लिए पौधों को समय-समय पर पानी देना चाहिए इनमें निश्चित समय पर खाद डालनी चाहिए। गमले में लगे पौधों को समय-समय पर धूप में रखना चाहिए पेड़-पौधों के आसपास उगी घास-फूस को हटाते रहनाचाहिये।

पेड़-पौधों की देखभाल न की जाए तो ये सूख जाते हैं। इसका हमारे पर्यावरण पर बुरा असर पड़ता है। पर्यावरण के लिए पेड़ - पौधों को सुरक्षित रखना आवश्यक है।इसलिए हम सभी को इनकी नियमित देखभाल करनी चाहिए।

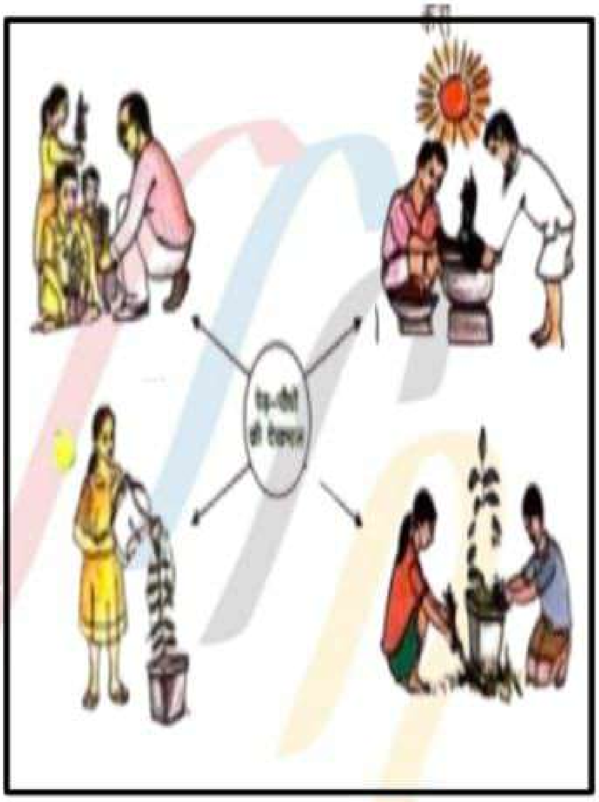

## अभ्यास प्रश्न

1.एक पौधा लगाना है। कैसे लगाओगे? क्रम से लिखो।

2.पौधों को जीवित रहने के लिए क्या-क्या आवश्यक है ?

3.पेड़ पौधे लगाना क्यों आवश्यक है?

4. पेड़ पौधों की देखभाल क्यों करनी चाहिए?

## गतिविधि

चित्र में बनी आकृति की तरह तुम भी पत्तियों को चिपकाकर अन्य चित्र बनाओ।

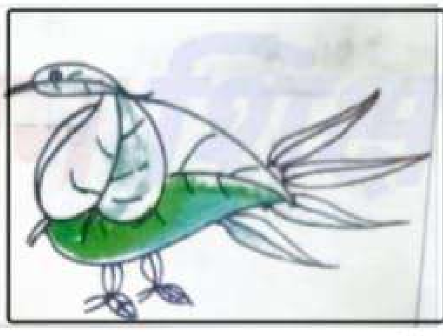

## उत्तरमाला क्रमांक-10

1.जिन वनस्पतियों को बढ़ने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है
अंगूर ,लौकी, कद्दू

2.आम ,सेब

3.फल, फूल, मसाले, शुद्ध हवा ,लकड़ी ,चारा औषधियां

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-**डॉ. उषा सिंह,सं.वि. भरथरा, का.वि.पी.,वाराणसी**

विषय- हमारा परिवेश पाठ- परिवेशीय जीव-जन्तु कक्षा - 3

प्रकरण- जीव जन्तु की पहचान क्रमांक -12

# मिशन शिक्षण संवाद

हमारे आसपास तरह - तरह के पशु - पक्षी , कीट - पतंगे रहते हैं । उनमें से कुछ को हम पहचानते हैं । कुछ को हम उनके नाम से भी पुकारते हैं । इनको हम पहचानते हैं

* उनके शरीर की बनावट से ,रंग से , पंख से , पंजे और चोंच से ,बोली से ।

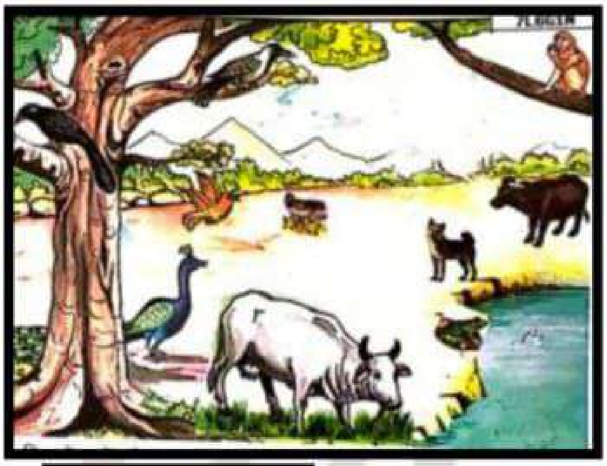

हर प्रकार के जीव - जंतु बनावट , आकार आदि में एक - दूसरे से अलग होते हैं । किसी का आकार बड़ा होता है , किसी का छोटा । कोई चलते हैं , कोई रेंगते हैं । कुछ उड़ते हैं तो कुछ कूदते हैं । कुछ फुदक - फुदक कर चलते हैं सभी जीव - जंतुओं की बोलियाँ भी अलग - अलग होती हैं । इन्हीं भिन्नताओं के आधार पर हम इन्हें जानते पहचानते हैं । पक्षियों को उनके रंग , पंजों , चोंच व पंखों की बनावट से पहचाना जा सकता है ।

## जीव-जन्तुओं की सूची

| चलने वाले | कूदने वाले | रेंगने वाले | उड़ने वाले |
|---|---|---|---|
| कुत्ता | मेढक | अजगर | कबूतर |
| गाय | बन्दर | साँप | तोता |
| हाथी | कंगारू | केंचुआ | कौआ |

## अभ्यास प्रश्न

1-विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओं को हम कैसे पहचानते हैं ?

2-दो-दो जीव जंतुओं का नाम लिखो- चोंच वाले,पूँछ वाले और सींग वाले।

3-दो जंतुओं का नाम लिखो जो पानी में रहते हैं।

## उत्तरमाला क्रमांक-11

1- गमले में मिट्टी डालना~ मिट्टी को खुरपी से नरम बनाना ~मिट्टी में थोड़ा सा जैविक खाद मिलाना ~अंत में पौधों के जड़ को मिट्टी के अंदर दबाकर पानी डालना।

2- पानी, धूप और खाद

3- पर्यावरण को बचाए रखने के लिए

4-पेड़ पौधों हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। यह हमें भोज्य पदार्थ और ऑक्सीजन देते हैं, अतः इसकी देखभाल करनी चाहिए।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-डॉ. उषा सिंह,सं.वि. भरथरा, का.वि.पी.,वाराणसी

# मिशन शिक्षण संवाद

## पशु - पक्षियों का आहार

कुछ जीव - जंतु घास , पत्तियाँ , अनाज के दाने , फल , सब्जियों , बीज इत्यादि आहार के रूप में लेते हैं । ये शाकाहारी कहलाते हैं । कुछ जीव - जंतु मांस को आहार के रूप में लेते हैं । ये मांसाहारी कहलाते हैं । फल , मांस , कीट - पतंगे , घास , पत्तियाँ , अनाज के दाने आदि सभी प्रकार का भोजन लेने वाले जंतु सर्वाहारी कहलाते हैं ।

## पालतू पशु-पक्षी

हम अपने घर में अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहते हैं । उनकी देखभाल के लिए भोजन , अच्छे स्वास्थ्य , चिकित्सा की व्यवस्था करते हैं । कुछ पशु - पक्षी भी परिवार के सदस्यों की तरह हमारे साथ रहते हैं । ये पालतू पशु - पक्षी कहलाते हैं , जैसे- गाय , भैंस , बकरी , मुर्गी आदि । ये हमारी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

## अभ्यास- प्रश्न

1. सर्वाहारी जंतु कौन कहलाता है ?
2. शाकाहारी और मांसाहारी जंतु में क्या अंतर है ?
2. दो पालतू पशु पक्षी के नाम लिखिए।
4. सही जोड़े बनाओ -

| | |
|---|---|
| क. बकरी | टर्र - टर्र |
| ख. कबूतर | में - में |
| ग. कुत्ता | गुटर गूं |
| घ. मेंढक. | भौं - भौं |

## उत्तरमाला-क्रमांक -12

1. उनकी शरीर की बनावट से, रंग से, पंख से, पंजे और. चोंच से, बोली से
2. सारस, कौआ
गाय, बकरी
गाय, बकरी
3. मछली, मगरमच्छ

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-डॉ. उषा सिंह,सं.वि. भरथरा, का.वि.पी.,वाराणसी

# मिशन शिक्षण संवाद

## पशु पक्षियों की देखभाल

पशु - पक्षी अपने भोजन , आवास व सुरक्षा के लिए हम पर निर्भर होते हैं । इसलिए यह आवश्यक है कि हम उनकी देखभाल करें । हमें पशु - पक्षियों के आवास की व्यवस्था करनी चाहिए । उनको भोजन देना चाहिए । पालतू पशु - पक्षियों की साफ - सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए । इनका नियमित रूप से टीकाकरण करवाना चाहिए।

आजकल पशु - पक्षियों की संख्या लगातार घटती जा रही है । इनकी देखभाल और सुरक्षा के लिए ऐसे स्थान बनाए गए हैं जहाँ ये सुरक्षित रहा सकें । इससे हमारे पर्यावरण में संतुलन बना रहता है ।

ध्यान रखें ब्लेड और शीशे के टुकड़ों को सड़क पर न फेकें । उन्हें कूड़ेदान में डालें । इन वस्तुओं से पशु - पक्षियों को चोट लग सकती है । घर के कूड़े को पॉलीथीन में बौंधकर सड़क पर नहीं फेंकना चाहिए । पॉलीथीन खाने से पशुओं को नुकसान पहुँचता है ।

पेड़ - पौधों से हमें तथा पशु - पक्षियों को भोजन मिलता है । विभिन्न पशु - पक्षी पेड़ - पौधों पर अपना आवास बनाते हैं । ये हमारे पर्यावरण के लिए लाभदायक होते हैं । हमें अधिक से अधिक पेड़ - पौधे लगाने चाहिए ।

## अभ्यास-प्रश्न

1-हमें पशु पक्षियों की देखभाल क्यों करनी चाहिए?

2- घर के कूड़े को पॉलिथीन में बाँधकर सड़क पर नहीं छोड़ना चाहिए। क्यों?

3- अगर पेड़ पौधे ना हो तो क्या होगा?

## उत्तरमाला क्रमांक-13

1-सर्वाहारी ऐसे जंतुओं को कहते हैं जो अपने आहार में वनस्पति और मांस दोनों को शामिल करते हैं

2-शाकाहारी जंतु वनस्पति खाते हैं और मांसाहारी जंतु मांस खाते हैं।

3- मुर्गी तोता, गाय बकरी

4-बकरी में- में ,कबूतर गुटर- गूँ
कुत्ता -भों-भों,मेंढक -टर्र-टर्र

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-डॉ. उषा सिंह,सं.वि. भरथरा, का.वि.पी.,वाराणसी

विषय- हमारा परिवेश पाठ- कक्षा - 3

प्रकरण- कितना सीखा-1 क्रमांक- 15

# मिशन शिक्षण संवाद

## कितना सीखा-1

1.अपने परिवार के बारे में पाँच वाक्य लिखो । क्या - क्या लिखोगे ?

क . परिवार में कौन - कौन है .

ख . परिवार में कौन सबसे बड़ा है ...

ग . कौन - कौन से त्योहार मनाते हो ..

घ . परिवार के साथ कहाँ - कहाँ घूमने गए .

ङ पढ़ाई में तुम्हारी मदद कौन - कौन करता है ..

. 2. परिवार में तुम किसके पास जाते हो-

क . दुःखी होने पर

ख . अपनी बात बताने के लिए

ग . पुराने दिनों के बारे में जानने के लिए .

घ . खेलने के लिए

3. सही ( 1 ) और गलत ( x ) का निशान लगाओ -

क . पास - पड़ोस के लोगों को एक - दूसरे की मदद करनी चाहिए ।

ख . पास - पड़ोस के लोगों को मिलकर त्योहार मनाना चाहिए ।

ग . पास - पड़ोस के बच्चों के साथ मिलकर खेलना चाहिए ।

घ . हमें अपने घर के साथ - साथ आस - पास की भी सफाई करनी चाहिए ।

ङ.पेड़ - पौधों में पानी नहीं डालना चाहिए । च . हमें पशु - पक्षियों की देखभाल करनी चाहिए।

4.अपने आस - पास पाए जाने वाले चार पेड़ों के नाम लिखो ।

5-दिये गए वर्ग पहेली मे से पेड़ या पौधों के नाम खोजों-

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| स | ग | लौ | की | स | म |
| प | पी | ता | म | ट | हु |
| द | न | प | तु | न | आ |
| गु | ड़ | ह | ल | नी | म |
| ला | न | ट | सी | म | ब |
| ब | र | ग | द | ह | र |

6 . कौन अलग है ? घेरा बनाओ ।

क . नीम , आम , महुआ . तुलसी

ख . लौकी , करेला , खीरा , गुलाब

ग . तोता . सौंप , कबूतर , कौआ

घ . आम , अमरूद , पीपल , पपीता

7. साथियों से चर्चा करो , और लिखो-

क- पशु - पक्षी , पेड़ - पौधे और मनुष्य किस प्रकार एक दूसरे पर निर्भर है?

ख . आहार के आधार पर पशु - पक्षियों के कितने प्रकार होते हैं ?

ग . विभिन्न प्रकार के जीव - जंतुओं को हम कैसे पहचानते हैं ?

8. तुम अपनी पसंद के किसी पशु या पक्षी का चित्र बनाओ । उसमें रंग भरो ।

### उत्तरमाला क्रमांक -14

1-पशु पक्षी अपने भोजन आवास व सुरक्षा के लिए हम पर निर्भर होते हैं इसलिए हमें उनकी देखभाल करनी चाहिए।

2- क्योंकि पॉलिथीन खाने से पशुओं को नुकसान पहुंचता है।

3- अगर पेड़ पौधे नहीं होंगे तो ऑक्सीजन नहीं होगा और पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं रहेगा।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-डॉ. उषा सिंह,सं.वि. भरथरा, का.वि.पी.,वाराणसी

विषय- हमारा परिवेशपाठ- हमारा भोजन प्रकरण- भोजन एवं उसके कार्य कक्षा - 3

मिशन शिक्षण संवाद

# हमारा भोजन एवं उसके कार्य क्रमांक-16

भूख लगने पर हम जो कुछ भी खाते-पीते हैं,उसे भोज्य पदार्थ या भोजन कहते हैं।भोजन हमारे शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक है।ग्रहण किये गए भोजन के मुख्यतः तीन कार्य होते हैं-

## क. हमारे शरीर को कार्य करने की शक्ति प्रदान करना -

प्रत्येक कार्य को करने के लिए हमें ताक़त अथवा ऊर्जा की आवश्यकता होती है,ग्रहण किये गए भोजन से हमें कार्य करने के लिए ऊर्जा प्राप्त होती है और हम किसी भी कार्य को आसानी से कर पाते हैं।

## ख. हमारे शरीर की वृद्धि व विकास करना-

भोजन से हमारे शरीर की वृद्धि होती है ,हमारे अंगों का विकास होता है एवं हमारा शरीर मजबूत बनता है।आयु बढ़ने के साथ -साथ हमारे मष्तिष्क का समुचित विकास होता है।

## ग.हमारे शरीर की रोगों से रक्षा करना-

ग्रहण किये गए भोजन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे रोग से हमारा बचाव होता है।हमारा शरीर रोगों से लड़ने के लिए तैयार होता है ।

## अभ्यास-प्रश्न

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-**

क. भूख लगने पर हम क्या करते हैं?
ख. प्यास लगने पर हम क्या करते हैं?
ग.भोजन से हमें क्या प्राप्त होता है?
घ.भोजन से रोगों से बचाव कैसे होता है?
ड.अंगों व मस्तिष्क का विकास कैसे होता है.
च.क्या हम बिना भोजन के रह सकते हैं?
छ. आपके घर में भोजन कौन बनाता है?
ज.हमें कैसा भोजन करना चाहिए?

**सामान्य जानकारी**

क पांच फलों के नाम बताइए ?
ख. पांच सब्जियों के नाम बताइए?
ग.आपकी मनपसंद सब्जी कौन सी है?
घ.अपने मनपसंद फल का नाम बताइए?
ड.क्या आपको दूध पीना पसंद है?

## चित्र देख कर नाम लिखिये

..... ..... .....

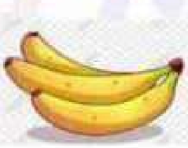

..... ..... .....

**मिलान कीजिये**

| | |
|---|---|
| दूध | मुर्गी |
| फल | गाय |
| अंडा | पेड़ |

क्रमांक 15 के अभ्यास प्रश्न छात्र स्वयं करेंगे।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ नीतू शुक्ला ,प्रा.वि.बेथर 1,सि.कर्ण,उन्नाव 9458278429

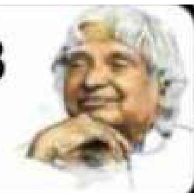

# मिशन शिक्षण संवाद

## भोजन के प्रकार

ग्रहण करने के आधार पर भोजन को तीन प्रमुख भागों में बांटा जा सकता है -

**1.कच्चा खाये जाने वाले भोज्य पदार्थ-**

कुछ भोज्य पदार्थों को हम कच्चा खाते हैं उदाहरण - फल व कुछ सब्जियां। इन भोज्य पदार्थों में विटामिन्स व खनिज लवण होते हैं जो हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं ।

**2.पका कर खाये जानें वाले भोज्य पदार्थ-**

कुछ भोज्य पदार्थों को हम पकाकर खाते हैं। पकाने से चीजें मुलायम और पचने में आसान हो जाती हैं और उनका स्वाद भी अच्छा हो जाता है।पकाने से उनमें मौजूद पोषक तत्व नष्ट नहीं होते उदाहरण-कुछ सब्जियां ,अनाज व दालें ।

**3.दोनों प्रकार से खाये जानें वाले भोज्य पदार्थ-** कुछ अनाज, दालें, सब्ज़ियां और फल ऐसे भी हैं जिन्हें कच्चा और पकाकर दोनों तरह से खाया जा सकता है उदाहरण-सलाद में प्रयोग की जाने वाली सब्जियां आदि

### गतिविधि

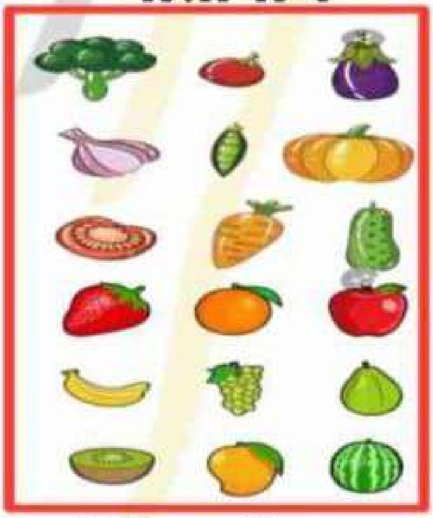

दिए गए चार्ट से फलों व सब्जियों को पहचान कर नाम लिखिये और बताइए कि वे किस प्रकार खाये जाते है।

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-**

1.कच्चा खाएं जाने वाले दो भोज्य पदार्थों के नाम लिखिये ?

2.पका कर खाने जाने वाले दो भोज्य पदार्थों के नाम लिखिये?

3.दोनों तरह से खाये जाने वाले दो भोज्य पदार्थों के नाम लिखिये।

| उत्तरमाला क्रमांक-16 | |
| --- | --- |
| क. खाना खाते हैं।<br>ख. पानी पीते हैं ।<br>ग.ऊर्जा<br>घ.विटामिन्स द्वारा<br>ड.भोजन के पोषक तत्वों द्वारा<br>च.नहीं<br>छ. माता जी<br>ज.पौष्टिक व संतुलित | बाकी प्रश्न छात्र स्वयं करें । |

# मिशन शिक्षण संवाद

## ***भोजन करने से पूर्व की सावधानियां -***

बच्चों ,भोजन हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है। भोजन से हमें कार्य करने की ऊर्जा मिलती है और हमारा शरीर स्वस्थ बनता है।भूख लगने पर हम जो भी भोजन ग्रहण करें ,उसके पूर्व हमें कुछ सावधानियां रखनी चाहिए।आज हम उन सावधानियों के विषय मे जानेंगें।

- भोजन को हमेशा ढककर रखना चाहिए, जिससे धूल और मक्खियाँ उसे गंदा न करें।

- फलों और सब्ज़ियों खाने अथवा पकाने से पहले साफ पानी से जरूर धो लेना चाहिए।सब्जियों को धोने के लिए सिरका,नमक और बेकिंग सोडा का प्रयोग करना अच्छा रहता है।

- हमें बाजार की खुली हुई चीजें व कटे फल नहीं खाना चाहिए।

- भोजन को खूब चबा-चबा कर खाना चाहिए।
- भोजन करने से पहले साफ पानी से हाथ अवश्य धोना चाहिए।

कटे हुए फल ✗

ढका हुआ भोजन ✓

सब्जियों की धुलाई ✓

हाथों की सफाई ✓

### ***अभ्यास प्रश्न-***

क .हमें कैसा भोजन करना चाहिए ?

ख.फलों को खाने से पूर्व क्या करना चाहिए?

ग.भोजन को किस प्रकार खाना चाहिए?

घ.स्वच्छता संबंधी दो अच्छी आदतें लिखिये?

***दी गयी सूची से स्वास्थ्यवर्धक भोजन व हानिकारक भोजन चुन कर तालिका में लिखिये-***

दूध,दही,बर्गर,फल,रोटी,घी,मेवे,दालें,गुड़,हरी सब्जियां,पिज़्ज़ा,नूडल्स,समोसा,दलिया,गाजर

| ***स्वास्थ्यवर्धक भोजन*** | ***हानिकारक भोजन*** |
|---|---|
| | |

***उत्तरमाला क्रमांक-17***

1.सभी फल व कुछ सब्जियां जैसे टमाटर

2.अनाज व दालें

3.प्याज़ व पपीता

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ नीतू शुक्ला,मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1,सि. कर्ण,उन्नाव

विषय- हमारा परिवेश  पाठ- हमारा भोजन  कक्षा - 3

प्रकरण-  पाचन में सहयोगी अंग  क्रमांक - 19

# मिशन शिक्षण संवाद

## जीभ ( Tongue ) -

बच्चों ! चित्र में आपको विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थ दिख रहे हैं। क्या आप मात्र देख कर उन्हें पहचान सकते है और उनका स्वाद बता सकते है ?

पानी  नींबू पानी  रूह हफ़ज़ा  आम पना  लस्सी

एक गिलास में पानी,एक में नींबू पानी,एक में आम पना,एक मे रूह-हफ़ज़ा और एक में लस्सी है,जब आप इन्हें पीकर देखेंगे तभी आपको इनका स्वाद पता चलेगा।स्वाद का पता हमें अपनी जीभ (tongue)से लगता है।जीभ को हम स्वादेन्द्रिय भी कहते हैं।जीभ स्वाद बताने के साथ ही भोजन निगलने में भी सहायता करती है। हमें अपनी जीभ की नियमित सफाई करनी चाहिए।

जीभ (Tongue)

जीभ की नियमित सफाई

### अभ्यास प्रश्न-

क.स्वादेन्द्रिय किसे कहते हैं ?
ख.जीभ क्या कार्य करती है?
ग.दो मीठे भोज्य पदार्थों के नाम लिखिये।
घ.मिर्च का स्वाद कैसा होता है?

### गतिविधि-

**उत्तरमाला क्रमांक 18**

क. ताजा
ख. धोना चाहिए
ग.चबा-चबा कर
घ.हाथों को धोना
दांत साफ करना

दिए गए भोज्य पदार्थों के स्वाद बताइए

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ नीतू शुक्ला,मॉडल प्राइमरी स्कूल-बेथर 1,सि. कर्ण-उन्नाव

# मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों ! आज हम भोजन करने में उपयोगी शरीर के दूसरे उपयोगी अंग के विषय में बात करेंगे।इससे पहले हमने जीभ (Tongue) के बारे में पढ़ा था।आज हम अपने दांतों के विषय में जानेंगे।एक वयस्क मनुष्य में 32 दांत होते हैं।

## *दांतो के कार्य-*

दाँत भोजन को काटने व चबाने में मदद करते हैं। अच्छी तरह से चबाया हुआ भोजन हम आसानी से निगल सकते हैं। ऐसा भोजन आसानी से पच भी जाता है। दाँतों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए उनकी नियमित सफाई जरूरी है।

## *दांतों की सफाई-*

अपने दांतों को हमें दिन में दो बार ब्रश अथवा उंगली की सहायता से साफ करना चाहिए और दिन में कई बार साफ पानी से कुल्ला करना चाहिए।स्वच्छ व स्वस्थ दांत अच्छे स्वास्थ्य की निशानी हैं ।

## *अभ्यास प्रश्न-*

क. भोजन करने में उपयोगी अंगों के नाम लिखो ?
ख. जीभ के क्या कार्य है।
ग.दांतो के कार्य बताइए ?
घ.मनुष्य में कितने दांत होते हैं?

### *गतिविधि*

दांत क्यों खुश है?

बच्चे क्या कर रहे है?

### *उत्तरमाला क्रमांक 19*

क. जीभ (tongue)
ख. स्वाद व निगलना
ग. रसगुल्ला,चीनी
घ. कड़वा

### *मिलान करो-*

कड़वा
नमकीन
मीठा
खट्टा

विषय- हमारा परिवेश पाठ- 5, हमारा भोजन कक्षा - 3

प्रकरण- कितना सीखा क्रमांक - 21

# मिशन शिक्षण संवाद

***बच्चों! आज हम पाठ- 5 'हमारा भोजन' से संबंधित कुछ अभ्यास प्रश्नों को हल करके अब तक सीखे गए पाठ की पुनरावृत्ति करेंगे।***

## पुनरावृत्ति प्रश्न-

1. भोजन से हमें क्या प्राप्त होता है?
2. भोजन कितने प्रकार के होते हैं ?
3. दाल और दूध से क्या मिलता है?
4. रोगों से बचाने वाले दो भोज्य पदार्थ लिखो?
5. संतुलित भोजन कैसा होता है?
6. कच्चा खाने वाले दो भोज्य पदार्थ कौन से हैं?
7. पका कर खाने वाले दो भोज्य पदार्थ कौन से हैं?
8. स्वाद का पता हमें कैसे लगता है?
9. दांत क्या काम करते हैं ?
10. सब्जियों का राजा किसे कहते हैं?

## स्वाद कैसा है ?

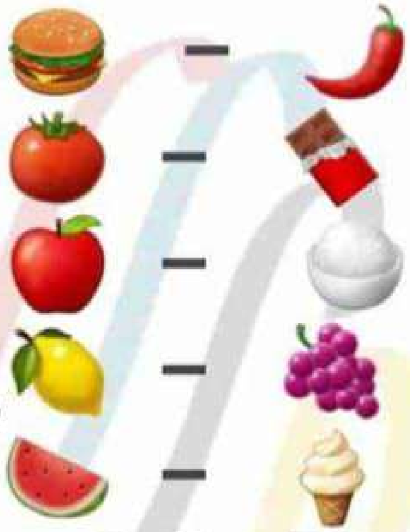

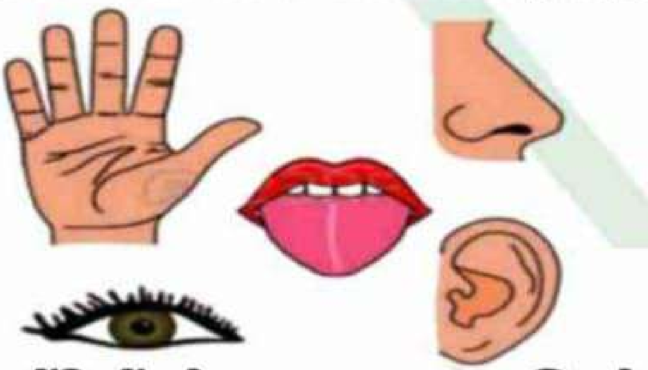

ज्ञानेंद्रियों को पहचान कर नाम लिखो-

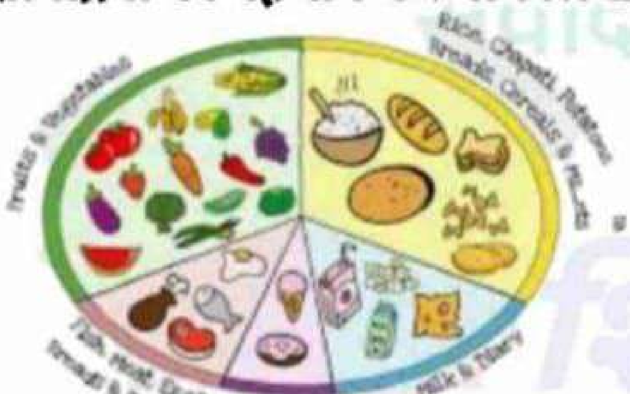

संतुलित आहार थाली

## रिक्त स्थानों की पूर्ति-

1. भोजन से हमें----- मिलती है।
2. दूध में----- होता है ।
3. सेब को----- खाते हैं।
4. फलों से हमें-----मिलता है।
5. धूप में विटामिन-----मिलता है।
6. दूध एक-----आहार है।
7. पिज़्ज़ा------आहार है ।
8. हमें-----पानी पीना चाहिए।
9. भोजन सदा--------- रखना चाहिए।
10. भोजन करने से पूर्व-----धोने चाहिए।

## उत्तरमाला क्रमांक-19

क. जीभ (Tongue) दांत( teeth)

ख. भोजन निगलना, स्वाद की पहचान

ग. भोजन काटना व चबाना

घ. 32

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ नीतू शुक्ला, मॉडल प्राइमरी स्कूल-बेथर 1, सि.कर्ण-उन्नाव

# मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों ! आज हम पशु पक्षियों के भोजन और भोजन करने में सहायक अंगों के विषय में जानेंगे। सबसे पहले हम एक कविता सुनते हैं-

माँ गौरैया खाना लेने निकली,
बच्चों को समझा कर बोली।
बाहर कहीं न जाना बच्चों,
दुनिया नहीं ये तुम सी भोली।।

दूर गई वो उड़ कर नभ में,
खाना खोजे सोचे ये मन में।
लड़की मिली एक रास्ते में,
खाती जो खाना धीमें-धीमें।।

बैठी उसके पास वो जाकर,
अपनी उसने व्यथा बताई।
रोटी तब लड़की ने पकड़ाई,
पर वो चोंच से उठा न पाई।।

आया फिर एक पास कबूतर,
मदद करी उसने चिड़िया की।
रोटी घोंसले तक पहुँचाई,
सबने मिल कर रोटी खाई।।

## अभ्यास-प्रश्न-

1. कविता में किस पक्षी की बात हो रही है?
2. गौरैया क्या लेने निकली?
3. गौरैया ने बच्चों से क्या कहा?
4. गौरैया क्यों उदास हुई ?
5. गौरैया को रास्ते मे कौन मिला?
6. गौरैया की मदद किसने की?

## गतिविधि -

अपने आस-पास मिलने वाले पक्षियों के चित्र इकठ्ठा कर अपनी कॉपी में लगाओ और उनके नाम लिखो।

उत्तरमाला-क्रमांक 21

पुनरावृत्ति प्रश्नों का छात्र स्वयं प्रयास करें।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ०नीतू शुक्ला ,मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर- 1,सि.कर्ण,उन्नाव

विषय- हमारा परिवेश पाठ- पक्षियों का भोजन एवं सहायक अंग कक्षा - 3

प्रकरण- विभिन्न प्रकार की चोंच क्रमांक - 23

# मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों ! आज हम पक्षियों की विभिन्न प्रकार की चोंच और पंजो के विषय मे जानेंगे। ये दोनों अंग भोजन ग्रहण करने में पक्षियों की सहायता करते हैं। भोजन एवं निवास स्थान के आधार पर चोंच व पंजे विभिन्न प्रकार के होते हैं।

## ***पक्षी भोजन कैसे खाते हैं ?***

हम अपना भोजन हाथ से पकड़कर मुँह में डालते हैं। पक्षी भी पंजे व चोंच कीसहायता से अपना भोजन पकड़ कर खाते हैं ।पक्षियों के पंजे व चोंच की बनावट उनके खान-पान के अनुरूप होती है। पक्षियों की चोंच एवं पंजों की बनावट फल, सब्ज़ियों, अनाज के दानों को उठाने, छीलने, कुतरने, नोचने एवं पकड़ने में उनकी मदद करती है।

## ***विभिन्न पक्षियों की चोंच-***

गौरैया की चोंच छोटी एवं नुकीली होती है। इससे उसे अनाज के दानों को छीलने और फोड़ने में सहायता मिलती है ।

शक्करखोरा की चोंच पतली और घुमावदार होती है। इससे वह फूलों के रस चूसने का कार्य आसानी से करता है।

बाज व चील की चोंच छोटी और आगे की ओर मुड़ी होती है तथा पंजे नुकीले होते हैं इससे उन्हें भोजन को पकड़ने में आसानी होती है।

पानी एवं उसके आस-पास रहने वाले पक्षियों की चोंच इस प्रकार होती है कि वे कीचड़ एवं पानी में रहने वाले कीड़े व अन्य जीवों को पकड़कर आहार के रूप में ले सकते हैं।

**पहचान कर नाम लिखो**

---

---

---

---

**अपने आस-पास दिखने वाले पक्षियो को पहचानने का प्रयास करो और उनके नाम अपनी नोट बुक में लिखो।**

***उत्तरमाला क्रमांक-21***

1.गौरैया
2.खाना लेने
3.बाहर न निकलना
4.खाना नहीं मिला
5.लड़की
6.कबूतर



9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ०नीतू शुक्ला-मॉडल प्राइमरी स्कूल,बेथर 1,सि. कर्ण,उन्नाव

विषय- हमारा परिवेश पाठ- 6. पशु-पक्षियों का भोजन व सहायक अंग कक्षा - 3

प्रकरण- पशुओं का वर्गीकरण क्रमांक - 24

# मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों ! कल हमने कक्षा में पक्षियों के भोजन एवं सहायक अंगों के विषय में सीखा था । आज हम पशुओं के भोजन एवं सहायक अंगों के बारे में सीखेंगे। पक्षियों की तरह पशुओं के भोजन में भी विभिन्नता होती है।भोजन के प्रकार के आधार पर पशुओं को हम तीन प्रमुख प्रकारों में बांटते हैं।

***शाकाहारी जीवजंतु -*** शाक-सब्जी ,फल इत्यादि खाने वाले जीव-जंतुओं को इस श्रेणी में रखा जाता है जैसे गाय, भैंस,बकरी आदि

***मांसाहारी जीवजंतु-*** मांस (meat)को अपने आहार के रूप में ग्रहण करने वाले पशुओं को मांसाहारी कहा जाता है जैसे शेर ,चीता,बाघ,लोमड़ी और भालू आदि

***सर्वाहारी जीवजंतु-*** सभी प्रकार का भोजन करने वाले जीवजंतु सर्वाहारी कहलाते हैं जैसे मनुष्य,बिल्ली,बंदर आदि

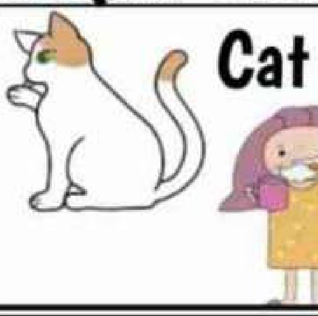

***अभ्यास प्रश्न-***

1.शाकाहारी क्या खाते हैं?

2.मांसाहारी क्या खाते हैं?

3.सर्वाहारी के दो उदाहरण बताओ?

4.शेर कैसा जंतु है?

5.एक शाकाहारी जंतु का नाम बताओ?

***गतिविधि -***

***भोजन के आधार पर दिए गए जीव-जंतुओं का वर्गीकरण करो-***

शेर भालू मनुष्य गाय बकरी
हाथी घोड़ा बंदर सांप कौआ

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ०नीतू शुक्ला मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1 ,सि.कर्ण-उन्नाव

विषय- हमारा परिवेश पाठ- 6 पशु-पक्षियों का भोजन कक्षा - 3

प्रकरण- भोजन करने में सहायक पशुओं के अंग क्रमांक - 25

# मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों ! कल हमने कक्षा में भोजन के आधार पर विभिन्न प्रकार के पशुओं के विषय में जाना था। आज हम उसी आधार पर पशुओं के उन अंगों के विषय में जानेंगें जो भोजन ग्रहण करने में पशुओं की सहायता करते हैं।

मनुष्य की तरह पशुओं में भी भोजन करने में दाँतों की प्रमुख भूमिका होती है। दाँत भोजन को पकड़ने, काटने और चबाने में सहायक होते हैं । जानवरों के दाँतों की बनावट उनके खान-पान में मदद करती है। खाना चबाकर खाने के लिए पीछे के दाँत अधिक मजबूत होते हैं।

## *शाकाहारी पशुओं के दाँत-*

गाय के आगे के दाँत छोटे होते हैं जिससे वह अपने भोजन को काटती है। घास या भोजन को चवाने के लिए पीछे के दाँत चपटे और बड़े होते हैं।

## *मांसाहारी पशुओं के दाँत-*

जो पशु अपना आहार मांस के रूप में लेते हैं, उनके आगे के दाँत अधिक नुकीले होते हैं जैसे मांसाहारी पशु-शेर,चीता,बाघ व लोमड़ी आदि।

## *कुतरने वाले दाँत-*

गिलहरी व चूहे के दाँत हमेशा बढ़ते रहते हैं। वह अपना खाना कुतरकर और काटकर खाती है इससे उसके दाँत घिसते भी रहते हैं।

*विभिन्न प्रकार के पशुओं के दांत*

## *अभ्यास-प्रश्न-*

1. एक शाकाहारी पशु का नाम लिखो?
2. एक मांसाहारी पशु का नाम लिखो?
3. कुतर कर खाना कौन खाता है?
4. गाय क्या खाती है?
5. मनुष्य में कितने दाँत होते हैं?

## *सही जोड़े बनाओ-*

| | |
|---|---|
| क.बगुला | मिर्च |
| ख. मोर | कीड़े-मकोड़े |
| ग. तोता | मछली |
| घ. कौआ | सांप |
| ङ. भैंस | मांस |
| च. शेर | घास |

अपने आस-पास के पशुओं को पहचानो और उनके चित्र अपनी कॉपी में चिपकाओ।

**उत्तर-माला-24** 1.शाक-सब्जी व फल 2.मांस,मछली व अंडा 3.मनुष्य व बंदर 4. मांसाहारी 5. गाय

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ०नीतू शुक्ला,मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1 ,सि.कर्ण,उन्नाव

विषय- हमारा परिवेश पाठ- 6 ,पशु-पक्षियों का भोजन कक्षा - 3

प्रकरण- कितना सीखा क्रमांक - 26

# मिशन शिक्षण संवाद

## चित्र देख कर मिलान करो-

शाकाहारी

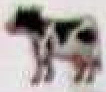

मांसाहारी

सर्वाहारी

## रिक्त स्थानों की पूर्ति करो

1.गाय एक ----पशु है।

2.मनुष्य-----कहलाता है।

3.शेर-----खाता है।

4.गिलहरी--------कर खाती है।

5.मनुष्य में-----दाँत होते हैं।

6.घोड़े के दाँत-----होते हैं।

7.जीभ-----बताती है।

8.हम-----से देखते हैं।

9.एक पालतू पशु-----है।

10.गौरैया की चोंच-----होती है।

## कौन क्या खाता है -

| | |
|---|---|
| कौआ | दानें |
| तोता। | केले |
| शेर। | कीड़े |
| हाथी | घास |
| चिड़िया | अनाज |
| गाय | दूध |
| चूहा | मिर्च |
| बिल्ली | मांस |

## चलो करें चिड़ियाघर की सैर

चित्र में दिख रहे चिड़ियाघर के जानवरों को पहचान कर उनके नाम लिखो

**उत्तरमाला क्रमांक 25**

अभ्यास प्रश्न

1.गाय 4.घास

2.शेर 5. 32

3.गिलहरी

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Dr Neetu Shukla Model School Behtar 1 S.karan,Unnao

विषय- हमारा परिवेश पाठ- **हमारा घर** कक्षा - 3

प्रकरण- **मकान और घर** क्रमांक- **28**

# मिशन शिक्षण संवाद

जया और जगत अपनी दादी के साथ घूमने निकले। वे सभी आगे बढ़े। सड़क पर पहुँचते ही दिखा एक बड़ा सा मकान। जगत ने कहा देखो-देखो कितना बड़ा घर। जया ने कहा- नहीं-नहीं यह अस्पताल है। यहाँ लोगों का इलाज होता है।

फिर वे लोग और आगे बढ़े। सामने दिखा एक और मकान। जगत फिर बोल उठा-उधर देखो.यह कैसा घर है? इसके सामने लाल रंग का डिब्बा भी है।दादी ने कहा- नही जगत, यह तो डाकखाना है। यहाँ से चिट्ठियां आती जाती है ।

तीनों लोग घर की ओर वापस जा रहेथे। गांव के बाहरमकान देख कर जगत बोला- कितना सुन्दर घर है? जया ने कहा-नहीं जगत, यह तो पंचायत भवन है। यहाँ गाँव के प्रधान जी और सचिव बैठते हैं।सभी लोग बातचीत करते हुए आगे बढ़े।

जगत जोर से बोला-यह रहा अपना घर।

जया ने कहा-हाँ, हो यही तो है अपना घर।

## गतिविधि

हमारी सहायता करने वाले लोगों के नाम वर्ग पहेली में से खोज कर लिखो |

| | | |
|---|---|---|
| डा | पु | डॉ |
| कि | लि | क्ट |
| या | स | र |
| प्र | धा | न |

## अभ्यास कार्य

1.घर और मकान में क्या अंतर है?

2. पंचायत भवन में कौन बैठता है?

3. मिलान करिए।

| | |
|---|---|
| अस्पताल | परिवार |
| डाकखाना | प्रधान और मुखिया |
| पंचायत भवन | मरीज |
| घर | चिट्ठी |

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ उषा सिंह संविलियन विद्यालय भरथरा, वाराणसी

# मिशन शिक्षण संवाद

घर वह स्थान है जहाँ हम अपने परिवार के साथ रहते हैं। घर हमारे लिए बहुत आवश्यक है। यह हमें ठंड, गर्मी, वर्षा, आँधी, तूफान और हिंसक जानवरों से सुरक्षा देता है। घर हमें रहने, खाना बनाने व खाने,पढ़ने-लिखने, सोने आदि के लिए स्थान तथा सुविधा प्रदान करता है। घर में हम अपनी जरूरत की वस्तुओं को सँभाल कर रखते हैं। घर में कई कमरे या हिस्से होते हैं जिसे हम अलग-अलग कार्यों के लिए उपयोग करते हैं, जैसे-रसोई घर, स्नान घर, शौचालय इत्यादि।

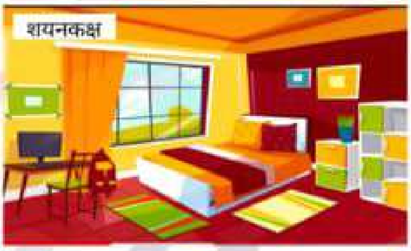

## अभ्यास प्रश्न

१-घर से हमें किस प्रकार सुरक्षा मिलती है?

२-अगर तुम्हारे पास घर ना हो तो तुम्हें किन- किन परेशानियों का सामना करना पड़ेगा?

३-जहां खाना बनाते हैं ,उस कमरे को क्या कहते हैं?

## उत्तरमाला क्रमांक -28

1-घर उस स्थान को कहते हैं, जहां हम अपने परिवार के साथ रहते हैं जबकि मकान का आशय इमारत के ढांचे, इसकी बनावट अथवा भौतिक रूप से है।

2-प्रधान व सचिव।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ उषा सिंह संविलियन विद्यालय भरथरा, वाराणसी

# मिशन शिक्षण संवाद

तुम्हें अपने आस-पास कई तरह के घर दिखाई देते हैं। ये घर आकार और बनावट में अलग-अलग होते हैं। कुछ घर छोटे होते हैं तो कुछ घर बहुत बड़े। कुछ घर अधिक ऊँचे होते हैं। कुछ घर कम ऊँचे होते हैं। कुछ घर पक्के होते हैं और कुछ घर कच्चे।

कुछ घर बनाने में मिट्टी, बाँस, लकड़ी, घास-फूस आदि वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है। घर के फर्श को मिट्टी में गोबर मिलाकर लीपा जाता है।

घर की छत बनाने में खपरैल, कँटीली झाड़ियाँ, बाँस-बल्ली आदि का उपयोग किया जाता है। ऐसे घर को हम कच्चा घर कहते हैं।

पक्का घर बनाने में सीमेंट, सरिया, बालू, इंट आदि का प्रयोग किया जाता है। ये घर कई तरह के हो सकते हैं.जैसे-एक मंजिला मकान, दोमंजिला मकान, बहुमंजिला इमारतें, बंगला।

इसी तरह घास-फूस, लकड़ी, बौंस आदि से झोपड़ी तैयार की जाती है जिसका उपयोग बहुत से लोग घर की तरह करते हैं।तम्बू भी एक प्रकार का घर है।

## गतिविधि

तरह-तरह के घर के चित्र अपनी कॉपी में बनाइए।

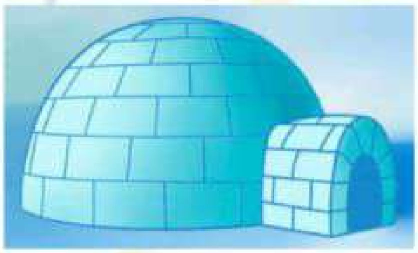

## अभ्यास प्रश्न

1- कच्चा घर किसे कहते हैं?

2- पक्का घर बनाने में क्या प्रयोग किया जाता है?

3- घास, फूस, लकड़ी और बांस आदि से बने घर को क्या कहते हैं?

## उत्तरमाला क्रमांक-29

1-घर हमें ठंड, गर्मी, वर्षा और हिंसक जानवरों से सुरक्षा देता है।

2- हमें ठंड, गर्मी, वर्षा, आंधी और हिंसक जानवरों का सामना करना पड़ेगा।

3- रसोईघर

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ उषा सिंह संविलियन विद्यालय भरथरा, वाराणसी

## अभ्यास-प्रश्न

**1. प्रश्नों के उत्तर लिखो-**

**(क) कच्चा घर किसे कहते हैं?**

**(ख) घर से हमें किस प्रकार सुरक्षा मिलती है ?**

**(ग) बहुत साल पहले जब मनुष्य के पास रहने के लिए घर नहीं थे, तब वे कहाँ रहते थे?**

**(घ) पक्का घर बनाने में कौन-कौन सी सामग्री इस्तेमाल होती है?**

**2. तुम्हें अपना घर क्यों अच्छा लगता है?**

**3. तुम अपने घर की साफ-सफाई में किस प्रकार मदद करते हो?**

**4. अगर तुम्हारे पास घर न हो तो तुम्हें किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ेगा?**

## गतिविधि

- **अपनी पसंद का घर बनाकर उसमें रंग भरो।**
- **विभिन्न प्रकार के घर के चित्र इकट्ठा करो।**

**नोट-बच्चे,अभ्यास प्रश्न के उत्तर स्वयं से करेंगे।**

## उत्तरमाला क्रमांक-30

**1-घर की छत बनाने में खपरैल, कँटीली झाड़ियाँ, बाँस-बल्ली आदि का उपयोग किया जाता है। ऐसे घर को हम कच्चा घर कहते हैं।**

**2-पक्का घर बनाने में सीमेंट, सरिया, बालू, ईट आदि का प्रयोग किया जाता है।**

**3-झोपड़ी**

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ उषा सिंह संविलियन विद्यालय भरथरा, वाराणसी

मिशन शिक्षण संवाद

मनुष्य अपने रहने के लिए घर बनाते हैं। हमारी तरह पशु-पक्षियों को भी घर की आवश्यकता होती है। वह अपना घर वहीं बनाते हैं, जहाँ उन्हें भोजन तथा सुरक्षा मिलती है।कुछ पशु-पक्षी अपने रहने के लिए स्वयं घर बनाते हैं।कुछ पेड़-पौधों पर रहते हैं। कुछ प्रकृति द्वारा बने वास स्थलों (पानी, गुफाओं,झाड़ियों) में रहते हैं। उनके घर भी तरह-तरह के होते हैं।

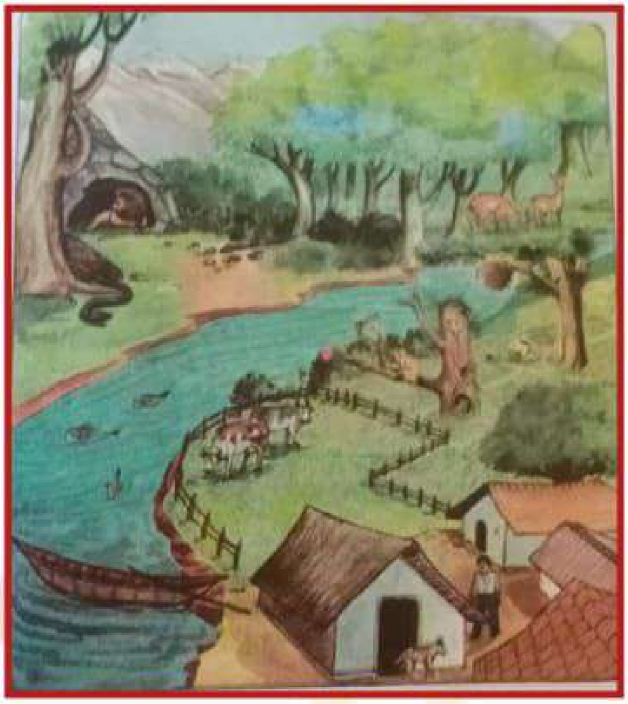

## गतिविधि

नीचे दिए गए वर्ग पहेली में से अपने आसपास दिखने वाले पशु पक्षियों के नाम तथा अपने आसपास नहीं दिखने वाले पशु पक्षियों के नाम छांट कर लिखो-

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| गा | य | क | बू | त | र |
| म | छ | ली | ब | क | री |
| जि | रा | फ़ | तें | दु | आ |
| शे | र | अ | ज | ग | र |

## अभ्यास प्रश्न

1-पशु पक्षियों के लिए घर क्यों आवश्यक है?

2- पशु पक्षी अपना घर कहां बनाते हैं?

3- प्रकृति द्वारा बने कुछ वास स्थलों का नाम लिखिए।

# मिशन शिक्षण संवाद

कुछ पशु-पक्षी प्राकृतिक रूप से बने वास स्थलों (रहने के स्थानों) को अपना घर बनाते हैं। बंदर पेड़ की घनी शाखाओं पर, मछली पानी में एवं शेर गुफा में रहता है।

कुछ जानवर अपना घर स्वयं बनाते हैं। खरगोश तथा चूहे जमीन के अन्दर बिल बनाकर उसमें रहते हैं। मधुमक्खियाँ अकेले न रहकर समूह में रहती हैं। वे अपने रहने के लिए छत्ते का निर्माण करती हैं। चींटियाँ भी बिल बनाकर समूह में रहती हैं। पक्षी अपने लिए घोंसला बनाते हैं।

साँप भी बिल में रहते हैं लेकिन वह अपने रहने के लिए स्वयं बिल नहीं बनाते। वे चूहे या खरगोश के बिल में घुस जाते हैं और उसी में रहने लगते हैं।

## गतिविधि

पशु-पक्षियों का उनके आवास के.चित्रों से मिलान करो-

## अभ्यास प्रश्न

1-बिल में रहने वाले किन्हीं दो जीवों के नाम लिखो।

2-मधुमक्खी कहाँ रहती है?

3-प्राकृतिक रूप से बने वास स्थलों मे रहने वाले पशु पक्षियों का नाम लिखो।

## उत्तरमाला क्रमांक-32

1.पशु- पक्षियों के लिए उन्हें खुद की एवं उनके बच्चों की सुरक्षा के लिए घर आवश्यक है।

2. जहां उन्हें भोजन तथा सुरक्षा मिलती है। 3.पानी, गुफा, झाड़ी।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ उषा सिंह संविलियन विद्यालय भरथरा, वाराणसी

विषय- हमारा परिवेश पाठ- पशु पक्षियों का आवास कक्षा -3

प्रकरण- घोंसला क्रमांक- 34

# मिशन शिक्षण संवाद

पक्षी अंडे देने के लिए घोंसला बनाते हैं तरह-तरह के पक्षीअलग-अलग प्रकार से घोंसले बनाते हैं। पक्षी घोंसला बनाने के लिएघास,पौधों की नाजुक टहनी, ऊन, बाल, रुई, पेड़ की छाल के टुकड़े, कपड़ों के टुकड़े, सूखे पत्ते आदि अलग-अलग चीजों का इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश पक्षी अपना घोंसला पेड़ों पर बनाते हैं। कुछ पक्षी अपना घोंसला हमारे घर की दीवारों, छतों पर भी बना लेते हैं।

कुछ पशु-पक्षियों को हम अपने घर में पालते हैं। इनके लिए हम अपने घर में रहने का स्थान बनाते हैं। कुछ पशु-पक्षी विना हमारी मर्जी के भी हमारे घर में रहते हैं।

**गतिविधि**

चित्र को देखो और लिखो—

हमारी मर्जी से घर में रहने वाले .................. .................. ..................

हमारी मर्जी के बगैर रहने वाले .................. .................. ..................

**अभ्यास प्रश्न**

1-पक्षी अपना घोंसला बनाने के लिए किन -किन वस्तुओं का प्रयोग करता है?

2- किन्ही चार पालतू पशुओं के नाम लिखो।

3-किसी एक पालतू पक्षी का नाम लिखो।

**उत्तरमाला क्रमांक -33**

1-चूहा,खरगोश

2-छत्ता

3-बंदर, शेर, मछली

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ उषा सिंह संविलियन विद्यालय भरथरा, वाराणसी

मिशन शिक्षण संवाद

1. प्रश्नों के उत्तर लिखो-

(क) पशु-पक्षियों के लिए घर क्यों आवश्यक है ?

(ख) बिल में रहने वाले किन्हीं दो जीवों के नाम लिखो।

(ग) किन्हीं चार पालतू पशुओं के नाम लिखो।

(घ) किसी पालतू पक्षी का नाम लिखो।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(अ) शेर......में रहता है।

(ब) मधुमक्खी छत्ता बनाकर.....में रहती है।

(स) साँप.....में रहता है।

3. क्या तुम्हारे घर या पड़ोस में किसी के यहाँ कोई पालतू जानवर है ? उनसे बातचीत करके पता करो-

- कौन सा पालतू जानवर है ?
- उसे कहाँ रखा जाता है?

**उत्तरमाला क्रमांक -34**

उ०-1पक्षी घोंसला बनाने के लिए घास,पौधों की नाजुक टहनी, ऊन, बाल, रुई, पेड़ की छाल के टुकड़े, कपड़ों के टुकड़े, सूखे पत्ते आदि अलग-अलग चीजों का इस्तेमाल करते हैं।

उ०-2 गाय, भैंस, बकरी, कुत्ता

उ०-3 कबूतर, तोता

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- डॉ उषा सिंह संविलियन विद्यालय भरथरा, वाराणसी

# मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों ! आज के पाठ में हम पानी अथवा जल के विषय में बात करेंगे । हम जल की उपयोगिता और उसके दुरुपयोग के विषय में सीखेंगे। आओ देखें जल या पानी अपने बारे में क्या कह रहा है ।सुनते है उसी की जुबानी ......

मैं पानी हूँ। मेरा प्रयोग सभी लोग करते हैं। मैं कुछ लोगों को आसानी से उपलब्ध हूँ। कुछ लोगों को कठिनाई से मिलता हूँ।इन दिनों सब लोग मेरी कमी होने की चर्चा करते हैं। मैं सोचता हूँ मेरी कमी हुई कैसे ? काफी सोचने के बाद मुझे समझ में आया कि जो लोग मेरा प्रयोग करते हैं, वे ही मेरा दुरुपयोग करते है अगर आपको यह पता है कि पानी आपके जीवन के लिए उपयोगी है तो क्या आप मेरा ऐसे ही दुरुपयोग करते रहेंगे ? अगर आप अभी भी सचेत नहीं होंगे तो भविष्य में और भी मुश्किलें आने वाली हैं। आप सभी का जीवन मेरे बिना संभव ही नहीं है।इसलिए मेरा संरक्षण करना आप सभी का पहला कर्तव्य है।

## रिक्त स्थानों की पूर्ति-

1.जल------ है।
2.प्यास लगने पर हम----पीते हैं।
3.लोग जल का-----करते है।
4.जल को---- चाहिए।
5.धरती पर----- की कमी हो रही है।
6.जल के बिना---- नहीं है।
7.हमे जल की---- करनी चाहिए।

## अभ्यास कार्य-

**चित्र देख कर बताओ कि पानी का उपयोग कैसे किया जा रहा है--**

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1. प्यास लगने पर हम क्या करते हैं?
2.पानी क्यों दुखी है?
3.हम किससे नहाते हैं?
4.पेड़-पौधे क्यों सूख जाते है?
5.अगर हमें पानी न मिले तो क्या होगा?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Dr Neetu Shukla,EMPS Bethar 1,S.karan-Unnao

विषय- हमारा परिवेश पाठ- पानी अनमोल है कक्षा - 3

प्रकरण- पानी की उपयोगिता क्रमांक- 37

# मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों! कल की कक्षा में हमनें पानी की कहानी पानी की जुबानी सुनी। हम सब जानते हैं कि पानी हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है परंतु हम उसका दुरुपयोग करते है। हमें पानी को बचाने के लिए गंभीरता से विचार करना होगा ।आज की कक्षा में हम पानी के विभिन्न उपयोगों के विषय मे जानेंगे और जल संरक्षण पर विचार करेंगे।

***जल के उपयोग-*** जल का प्रयोग हम विभिन्न कार्यो के लिए करते हैं जैसे-
पीने के लिए,नहाने के लिए,कपड़े धोने के लिए,खाना बनाने में,सिंचाई के लिए,सफाई के लिए आदि।पानी हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है।पानी के बिना जीवन असंभव है। हमारी तरह पेड़ पौधों और जीव-जंतुओं को भी पानी की आवश्यकता होती है।वे भी पानी के अभाव में जीवित नहीं रह सकते।हमें पानी का संरक्षण करना चाहिए।

पानी के विभिन्न उपयोग

***जल संरक्षण-*** गर्मी का मौसम है। गाँव के तालाब सूख गए हैं हैण्डपम्प में भी पानी बहुत कम आ रहा है। ऐसे में पूरे गाँव में पानी की समस्या हो गई है। गाँव के लोगों को पानी दूर से लाना पड़ रहा है। आगे से ऐसा न हा, इसके लिए सभी लोगों ने मिलकर पानी की समस्या को दूर करने का उपाय सोचा। सबने मिलकर गाँव के तालाबों को साफ करवाया उन्हें गहरा करवाया। साथ ही हैण्डपम्प भी ठीक करवाए। इससे आगे चलकर उनकी पानी की कमी की समस्या दूर हो गई।

## अभ्यास कार्य -

***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-***

1.पेड़-पौधे क्यों सूखते हैं?
2.अगर पेड़ो को पानी न मिले तो क्या होगा?
3. पानी हमें कहां-कहां से मिलता है?
4.तालाब का पानी कब सूख जाता है?
5.प्यास लगने पर हम क्या करते हैं?
6.पानी बचाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

***गतिविधि-***

तुम अपने दैनिक कार्यों में कितना पानी उपयोग में लाते हो-

| पानी का उपयोग | कितने बाल्टी/मग/ गिलास |
|---|---|
| 1. पीने में | ---- |
| 2. नहाने में | ---- |
| 3.हाथ धोने में | ---- |
| 4. कपड़े धोने में | ---- |
| 5.खाना बनाने में | ---- |
| 6. पौधों की सिंचाई | ---- |
| 7. ब्रश करने में | ---- |
| 6.कुल खर्च | ---- |

***उत्तरमाला क्रमांक-36***

1.पानी पीते हैं।
2.अपने दुरुपयोग के कारण।
3.पानी से।
4.पानी की कमी से।
5.मर जायेंगे।

***रिक्त-स्थान***

1.अनमोल
2.पानी
3.बचाना
4.जल
5.जीवन
6.बचत

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Dr Neetu Shukla EMPS Bethar 1,S.krn, Unnao

विषय- हमारा परिवेश पाठ- पानी अनमोल है कक्षा - 3

प्रकरण- अभ्यास कार्य क्रमांक- 38

# मिशन शिक्षण संवाद

## अभ्यास कार्य व पुनरावृत्ति प्रश्न

### निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये-

1.प्यास लगने पर हम क्या करते हैं?
2.पानी के दो मुख्यता उपयोग लिखिये?
3.पेड़ो को पानी न मिले तो क्या होगा?
4.क्या हम बिना पानी के जीवित रह सकते हैं?
5.पानी क्यों दुखी है?
6.पानी के दो श्रोतों के नाम लिखिये?
7.हमें कैसा पानी पीना चाहिए?
8.सबसे शुद्ध पानी कौन सा होता है?
9.धरती पर कितने प्रतिशत पानी है?
10.पानी को कैसे रखना चाहिए?

### रिक्त स्थानों की पूर्ति-

1.पानी-----है।
2.प्यास लगने पर----पीते हैं।
3.वर्षा का जल सबसे----शुद्ध है।
4.हमें पानी की----करनी चाहिए।
5.धरती पर-----% जल है।
6.धरती पर----महासागर हैं।
7.---एवं----को पानी चाहिए।
8.पानी जीव-जंतुओं के लिए----है।

### गतिविधि-

तालिका भरो-
तुम अपने दैनिक कार्यों में कितना पानी उपयोग में लाते हो-
कितने बाल्टी/मग/गिलास

1. पीने में नहाने में ----
2. हाथ धुलने में ----
3. नहाने में ----
4. सफाई में ----
5. पौधों में ----
6. कपड़े धुलने में ----

कुल खर्च ----

एक दिन तुम्हारा हैण्डपम्प खराब हो गया। तुम्हारे घर में पानी की समस्या हो जाती है। मां ने तुम्हें एक बाल्टी पानी दिया। तुम अपने दैनिक कार्यों में इसे कैसे खर्थ करोगे? इसकी तालिका बनाओ-

पानी का उपयोग कितने मग/गिलास

1. पीने में ----
2. नहाने में ----
3. हाथ धुलने में ----
4. सफाई में ----
5. पौधों में ----
6. खाना बनाने में ----

कुल खर्च ----

दोनों तालिकाओं को देखो और लिखो कि एक दिन में कितना पानी बचाया

### उत्तरमाला क्रमांक 37

प्रश्न/उ०-
1.पानी की कमी से
2.सूख जाएंगे
3.नदी,तालाब व नल
4.तेज़ गर्मी में
5.पानी की बचत से

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Dr. Neetu Shukla,EMPS Bethar 1 ,S.karan,Unnao

# व्यक्तिगत स्वच्छता

आँख, कान, नाक, दाँत, जीभ और हाथ के साथ-साथ पैर व पेट हमारे शरीर के अंग हैं। शरीर के इन अंगों से हम बहुत सारे काम करते हैं। दाँतों से चबा कर खाते हैं कानों से सुनते हैं । औखों से देखते हैं। जीभ से स्वाद लेते हैं। शरीर के सभी अंग ठीक तरह से काम करें, इसके लिए इन अंगों की सफाई और देखभाल जरूरी है।

**Eye Tongue Skin Ear Nose**

**see Taste Touch hear Smell**

हमें अपने शरीर के सभी अंगों की नियमित सफाई करनी चाहिए।स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य से है।अगर हम स्वच्छ रहेंगे तभी स्वस्थ रहेंगे।

बच्चों को हाथ धोने के चरणों के बारे में बताया गया।

## अभ्यास कार्य-

1.हम कैसे देखते हैं?
2.हमें स्वाद का पता कैसे चलता है?
3.दांतों की सफाई कैसे करनी चाहिए?
4.हमें कैसे कपड़े पहनने चाहिए??


9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Dr Neetu Shukla,EMPS, Bethar 1,S. karan ,Unnao

विषय- हमारा परिवेश पाठ- स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहेंकक्षा - 3

प्रकरण- व्यक्तिगत स्वच्छता क्रमांक - 40

# मिशन शिक्षण संवाद

**परिचय-** बच्चों ! आज हम अपने शरीर के अंगों की साफ-सफाई के विषय में बात करेंगे।हमें अपने शरीर को साफ रखना चाहिए।स्वस्थ शरीर में स्वस्थ दिमाग का वास होता है।

दांतों की सफाई

**दांतो की सफाई-** भोजन को हम दाँतों से काटकर, चबाकर खाते हैं। काटने और चबाने में भोजन के छोटे टुकड़े हमारे दाँतों के बीच में फंस जाते हैं। यदि इन छोटे कणों की सफाई न की जाए तो यह हमारे दाँतों को खराब कर सकते हैं इसलिए हमें प्रतिदिन सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले ब्रश अथवा दातून से दाँतों को साफ करना चाहिए।

जीभ की सफाई

**जीभ की सफाई-** जीभ से हम स्वाद का पता लगाते हैं। यह भोजन को निगलने में सहायत करती है। बोलने में भी यह हमारी मदद करती है। दाँतों की सफाई के साथ ही हमें जीभ की प्रतिदिन सफाई करनी चाहिए।

**सही जोड़े बनाओ-**

| | |
|---|---|
| क. ब्रश/दातून | बाल |
| ख. नेल कटर | नहाना |
| ग. साबुन | दांत |
| घ. कंघा | नाखून |

## अभ्यास कार्य-

**उत्तरमाला क्रमांक-39**

1.आंखों से
2. जीभ से
3.दो बार ब्रश
4.स्वच्छ

**प्रश्न/उत्तर**

1.रोगों से बचाव कैसे होता है?
2.हमें कितनी बार ब्रश करना चाहिए.
3.हमें कैसे कपड़े पहनने चाहिए?
4.हाथों की सफाई कैसे करेंगे?
5.हमें स्वाद का पता किससे चलता है?

देख कर चित्र बनाओ

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Dr Neetu Shukla EMPS Bethar 1,S.karan ,Unnao

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन

शिक्षक का सम्मान

## मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा- 3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- 10 पाठ्य क्रमांक - 3

41 प्रकरण- स्वच्छ रहें स्वस्थ रहें (व्यक्तिगत स्वच्छता)

आंखों को ठंडे पानी से दिन में कई बार धोना चाहिए।

**आंखों की सफाई-** आँखों से हम देखते हैं। गुलाब और गेंदे का फूल हम आँखों से देखकर पहचान लेते हैं। विभिन्न वस्तुओं में अंतर कर लेते हैं। रोज सुबह उठने के बाद हमें ठंडे और साफ पानी से आँखों को साफ करना चाहिए।

**कानों की सफाई-** कानों से हम सुनते हैं सुनकर हम लोगों की आवाज पहचान लेते हैं। यदि कहीं शोर हो रहा होता है, तो हम अपने हाथों से कानों को बंद कर लेते हैं। हमें अपने कानों की नियमित सफाई करनी चाहिए। कानों को इयर बड से साफ करना चाहिए।कानों में लकड़ी आदि नहीं डालनी चाहिए।

### गतिविधि

*नाक में उंगली, कान में लकड़ी,*
*मत कर, मत कर, मत कर।*
*आंख में अंजन, दांत में मंजन,*
*नित कर, नित कर, नित कर।।*

### अभ्यास प्रश्न-

1. आंख से हम क्या करते हैं?
2. कान से हम क्या करते हैं?
3. कान किससे साफ करने चाहिए?
4. आंख कैसे पानी से धोनी चाहिए?
5. साफ-सफाई का क्या महत्व है?

उत्तरमाला क्रमांक-40

1. स्वच्छ रहने से
2. दिन में दो बार
3. स्वच्छ
4. कई बार धोकर
5. जीभ से

शरीर के अंगों को पहचान कर उनके नाम लिखो

**स्वच्छ रहो**
**स्वस्थ रहो**

निर्माण - Dr. Neetu Shukla, EMPS Bethar 1, S karan Unnao 9458278429

## घर व आस- पास की सफाई

बच्चों ! तुमने देखा होगा कि घर में अगर एक-दो दिन सफाई न की जाए तो जहाँ-तहाँ धूल जमी हुई दिखाई देती है। इसी प्रकार हमारे घर के आसपास भी गंदगी इकट्ठा होती रहती है इसलिए हमें घर व आस-पास की प्रतिदिन सफाई करना चाहिए। अपने घर के आसपास कूड़ा-कचरा और पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। पानी में मच्छर पैदा होते हैं। इनके काटने से बीमारियाँ फैलती हैं। इन बीमारियों से हमारी जान भी जा सकती है। कूड़े-कचरे को घूर गड्ढे या कूड़ेदान में डालना चाहिए। हैण्डपम्प या नल के आसपास पानी के निकास के लिए नालियाँ बनानी चाहिए और उनकी सफाई भी करनी चाहिए।

### -अभ्यास कार्य-

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-**

1.हमें अपने घर को कैसा रखना चाहिए?
2.कूड़ा कहां डालना चाहिए?
3.नाली में पानी की निकासी कैसे करेंगे?
4.स्थिर पानी में क्या पलते हैं?
5.मच्छरों के काटने से क्या होता है?
6.शौच के लिए कहाँ जाना चाहिए?
7.दांतकितनी बार साफ करने चाहिए?
8. नाखून कितनी बार काटने चाहिए??
9.आसपास कैसा वातावरण होना चाहिए?
10.हमें कैसा भोजन करना चाहिए?

**उत्तरमाला क्रमांक-41**

1.देखते हैं।
2.सुनते हैं।
3.ईअर बड से
4.साफ पानी से
5.हम स्वस्थ रहते हैं।

## अच्छी आदतें अच्छा स्वास्थ्य

1.समय पर सोओ, समय पर जागो।

2.प्रतिदिन सुबह और रात में सोने से पहले दाँत साफ करो।

3.प्रतिदिन स्नान करो तथा अपने बालों में कंधी करो।

4.शौच के लिए शौचालय का प्रयोग करो।

5.शौच के बाद साबुन से हाथ धोओ।

6.खाना खाने से पहले और खाना खाने के बाद हाथ धोओ।

7.सप्ताह में एक बार अपने नाखून काटो।

8.आँखों को बहुत तेजी से न मलो।

9.त्वचा को नुकीली वस्तु या नाखूनों से मत खरोंचो।

10.बहुत गर्म चीज न खाओ और न ही पियो। गर्म वस्तुओं से जीभ जल सकती है।

### प्रश्न/उत्तर-

1.हमें कितने घंटे सोना चाहिए?

2.दांत कितनी बार साफ करने चाहिए?

3.शौच कहां जाना चाहिए?

4.हमें कैसा भोजन करना चाहिए?

5.आसपास का वातावरण कैसा होना चाहिए?

6.स्वच्छता से क्या लाभ होता है?

### उत्तरमाला क्रमांक-42

1.साफ

2.कूड़ेदान

3.सफाई करके

4.मच्छर।

5.मलेरिया

6.शौचालय

7.दो बार

8.हफ्ते में

9.स्वच्छ

10.ताज़ा

### चित्र बनाओ

आंख

नाक

कान

आंख

मुँह

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन
# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- हमारी सुरक्षा

पाठ्य क्रमांक - 44

प्रकरण- दुर्घटना

अनियंत्रित व दुखद परिणाम वाली अनजाने में हुई घटना को दुर्घटना (accident) कहते हैं"।

दुर्घटना कहीं भी हो सकती है,घर में या घर के बाहर भी। हमें अपने दैनिक जीवन में स्वयं की सुरक्षा के प्रति सावधान रहना चाहिए। इसके लिए हमें सुरक्षा नियमों की जानकारी होनी चाहिए।
इन नियमों की जानकारी होने के साथ-साथ इनका पालन भी करना चाहिए।
सड़क पर, खेल के स्थान पर, घर में, विद्यालय में रहन-सहन की अच्छी आदतें और व्यवहार हमें कई प्रकार के नुकसान से बचाते हैं।

### अभ्यास प्रश्न

1-दुर्घटना किसे कहते हैं?
2- चित्र में सड़क दुर्घटना क्यों हुई?
3- दुर्घटना कहां घटित हो सकती है?

### उत्तरमाला क्रमांक-43

1.7-8 घंटे
2.दिन में दो बार
3.शौचालय
4.ताजा व स्वच्छ
5.स्वच्छ
6.हम स्वस्थ रहते हैं।

निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

• सड़क पर मत खेलो। सड़क पर तरह-तरह के वाहन चलते हैं जिनसे टकराकर हमें चोट लग सकती है। सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों का पालन करो।

• चलते वाहन में दरवाजे के पास मत खड़े हो। खिड़की से हाथ या सिर को बाहर मत निकालो।

•नुकीली वस्तुओं जैसे ब्लेड, चाक, कैंची से मत खेलो। पेंसिल तथा अन्य नुकीली वस्तुओं को मुँह या कान में मत डाली। इससे तुम्हें नुकसान पहुँच सकता है।

•बिजली के तार तथा उपकरणों का उपयोग करते समय सावधानी रखो। गीले हाथ से स्विच मत छुओ। गीले हाथ से छूने पर करंट लग सकता है।

• अपनी वस्तुओं को उचित जगह पर रखो। वस्तुएँ इधर-उधर बिखरी होने पर हम उनसे टकरा कर गिर सकते हैं। इससे हमें चोट भी लग सकती है।

•सीढ़ी से दौड़ते हुए मत उतरो या चढ़ो। इससे गिर सकते हैं।

•कोई भी खेल खेलते समय खेल के नियमों का पालन करो। खेलते समय झगड़ा मत करो। किसी को धक्का मत दो। किसी निर्जन एवं अँधेरे स्थान पर अकेले मत खेलो।

•किसी अपरिचित व्यक्ति से खाने की कोई चीज मत लो और उसके साथ कहीं न जाओ।

## गतिविधि

## अभ्यास प्रश्न

1- दुर्घटना किन किन कारणों से होता है कोई दो कारण लिखो।

2- सड़क पार करते समय हमें क्या क्या सावधानी बरतनी चाहिए

3- सड़क सुरक्षा सप्ताह कब मनाया जाता है पता करके लिखें।

## उत्तरमाला क्रमांक-44

1-अनियंत्रित दुखद परिणाम वाली अनजाने में हुई घटना

2- सड़क की सुरक्षा का नियम ना मानना

3- कहीं भी

I प्रश्नों के उत्तर लिखो-

(क) नुकीली वस्तुओं जैसे चाक, ब्लेड आदि के साथ क्यों नहीं खेलना चाहिए?

(ख) सीढी चलते एवं उतरते समय क्या ध्यान रखना चाहिए?

(ग) वस्तुओं को सही जगह पर नहीं रखने से क्या हो सकता है?

(घ) सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों का पालन करना क्यों जरूरी है?

2. कथन के सामने (V) और गलत (x) का निशान लगाओ-

(क) सड़क पर खेलना चाहिए।

(ख) आग या गर्म वस्तुओं से दूर रहना चाहिए।

(ग) गीले हाथ से स्विच नहीं छूना चाहिए।

(घ) खेलते समय खेल के नियमों का पालन नहीं करना चाहिए।

3. अपने साथियों की सहायता से एक फर्स्ट एड बॉक्स तैयार करो।

4. पाठ से तुमने जो सीखा, उसके आधार पर लिखो कि तुम्हें अपनी सुरक्षा के लिए-

क्या करना चाहिए ...........

क्या नहीं करना चाहिए..............

नोट:-बच्चे अभ्यास प्रश्न स्वयं करेंगे।

**उत्तरमाला क्रमांक-45**

1-सुरक्षा के नियमों की जानकारी नहीं होना।
- सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं करना।

2- सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए।

3- प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में।

निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

कक्षा- 3
विषय- हमारा परिवेश

पाठ- यातायात के साधन
पाठ्य क्रमांक - 47
प्रकरण- यातायात

आज के युग में मनुष्य के लिए यातायात के साधनों का बहुत उपयोग है तथा यह मानव के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यातायात का अर्थ होता है- आना और जाना। जिन वाहनों या साधनों के द्वारा हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं वह यातायात के साधन कहलाते हैं । यातायात के साधनों द्वारा मनुष्य एक स्थान से दूसरे स्थान पर बड़ी आसानी से पहुंच जाते हैं। यह साधन केवल मनुष्य को ही नहीं बल्कि सामान को भी एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से पहुंचा देता है। आजकल यातायात के साधनों का बहुत विकास हो गया है परन्तु प्राचीन युग में यातायात के साधन इतने विकसित नहीं थे। घोड़ा, ऊँट, हाथी,खच्चर, नौका, बैलगाड़ी, तांगा यही यातायात के साधन थे। फिर धीरे-धीरे यातायात के साधनों का विकास हुआ जैसे-साईकिल, रेलगाड़ी, मोटर, मोटरसाईकिल,बस,हवाईजहाज जिनसे यात्रा करने पर मनुष्य के श्रम तथा समय दोनों की बचत होने लगी।

## गतिविधि

चित्र में बने यातायात के साधनों के नाम लिखिए

## अभ्यास प्रश्न

1-यातायात का क्या अर्थ होता है?

2- यातायात का साधन किसे कहते हैं?

3 प्राचीन समय में यातायात के साधन क्या-क्या थे?

4- वर्तमान समय में प्रयोग होने वाले यातायात के साधनों के नाम लिखिए

निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन
# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

**कक्षा- 3**
**विषय- हमारा परिवेश**

**पाठ-** यातायात के साधन

**पाठ्य क्रमांक -** 48

**प्रकरण-** यातायात के साधन के प्रकार

यातायात के साधनों में से कुछ सड़क पर चलते हैं, कुछ पानी पर चलते हैं। कुछ हवा में उड़ते हैं और कुछ लोहे की पटरी पर चलते हैं। सड़क पर चलने वाले वाहनों की तुलना में लोहे की पटरियों पर चलने वाली रेलगाड़ी कम समय में ज्यादा दूरी तय करती है। इसी प्रकार हवाई जहाज, रेलगाड़ी से भी कम समय में एक शहर से दूसरे शहर या एक देश से दूसरे देश पहुँथा देता है।

हमारे देश में बहुत सारी नदियाँ हैं जिन्हें हम नाव एवं पानी के जहाज से पार करके एक जगह से दूसरी जगह आते-जाते हैं। पानी का जहाज नाव से बड़ा होता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग पानी के रास्ते कम समय में आते जाते हैं पानी में बड़े जहाजों द्वारा एक देश से दूसरे देश के बीच सामान को भी माँगा और भेजा जाता है।

## गतिविधि

चित्र देखकर लिखो-

- सड़क पर चलने वाले वाहन.....
- हवा में उड़ने वाले वाहन....
- पानी पर चलने वाले वाहन.....
- लोहे की पटरी पर चलने वाली गाड़ी.....

## अभ्यास प्रश्न

1-पानी पर चलने वाले वाहन का नाम लिखिए।

2- हवाई जहाज और रेलगाड़ी मे कौन कम समय में दूरी तय करता है?

3- अपनी पसंद का किसी वाहन का चित्र बनाइए।

## उत्तरमाला क्रमांक-47

1-आना और जाना

२-जिन वाहनों या साधनों के द्वारा हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं वह यातायात के साधन कहलाते हैं।

3- घोड़ा, हाथी, खच्चर, नाव, बैलगाड़ी, तांगा।

4-रेलगाड़ी, साइकिल, मोटरसाइकिल, बस हवाई जहाज।

निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

## सामान ढोने वाले वाहन

• तुमने ट्रैक्टर तो देखा ही है। यह किस-किस काम में आता है?

• तुम्हारे गाँव में सामान ढोने के लिए किन साधनों का प्रयोग करते हैं?

कुछ वाहन सामान ढोने के काम आते हैं। इनकी मदद से हमअनाज,पुआल, ईंट, मिट्टी, बालू, सब्जियों एवं अन्य सामान एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं।

### गतिविधि

चित्र देखो और सामान होने वाले वाहनों के नाम लिखो-

### अभ्यास प्रश्न

1-सामान ढोने वाले वाहन किसे कहते हैं ?

2-सामान ढोने वाले कुछ वाहनों का नाम लिखिए।

3- पानी में सामान ढोने वाले वाहन का नाम लिखिए

### उत्तरमाला क्रमांक-48

1- पानी वाला जहाज, पनडुब्बी, नाव, हाउसबोट

2- हवाई जहाज


निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन
# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 3
विषय- हमारा परिवेश

पाठ- यातायात के साधन

पाठ्य क्रमांक - 50

प्रकरण- अभ्यास प्रश्न

**प्रश्नों के उत्तर लिखो-**

**1. यातायात के साधन किसे कहते हैं?**

**2 यातायात के साधनों के नाम लिखो-**

**(क) सड़क पर चलने वाले**

**(ख) पानी पर चलने वाले**

**(ग) सामान ढोने वाले**

**3. तुम्हारे घर में कौन-कौन से यातायात के साधन हैं ? उसे कौन चलाता है ?**

**साधन के नाम**

**कौन चलाता है**

**4. चित्र देखो और बताओ कौन सबसे जल्दी पहुंचेगा और कौन बाद में?**

**सबसे तेज चलने वाले से सबसे धीमे चलने वाले क्रम में वाहनों के नाम लिखो,**

**1**
**2.**
**3.**
**4**
**5**

**5. अपने घर के बड़ों से पूछो-**

**(क) जब वो छोटे थे, तब एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए किन साधनों का प्रयोग करते थे।**

**(ख) उन्होंने बस या रेल की यात्रा की है? उसका टिकट यहाँ चिपकाओ-**

**टिकट देखकर लिखो यात्रा कहाँ से कहाँ तक की गई है। कब की गई है?**

**6. अपनी पसंद के वाहन का चित्र चिपकाओ या बनाओ।**

## उत्तरमाला क्रमांक-49

**1- जो वाहन सामान ढोते हैं।**

**2-सामान ढोने वाले वाहन ट्रैक्टर, ट्रक, रेलगाड़ी इत्यादि।**

**3- पानी वाला जहाज, पनडुब्बी।**

निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

यातायात के नियम **51** प्रकरण- यातायात के नियमों की जानकारी

बच्चों ! पिछले पाठ में हमनें यातायात के विभिन्न साधनों के बारे में पढा था।आज के पाठ में हम यातायात संबंधी कुछ महत्वपूर्ण व आवश्यक नियमों के विषय में पढ़ेंगे।इन नियमों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है।आओ जानें कुछ महत्वपूर्ण बातें-------आओ इस चित्र को समझें...

गोहरी गाँव के बच्चे अपने शिक्षकों के साथ शहर घूमने जा रहे हैं शहर से पहले ही एक चौराहे पर अचानक बस रुक गई।अरे! बस क्यों रुकी? अशोक ने पूछा।सामने देखो! चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस ने रुकने का इशारा किया है-शिक्षिका ने कहा। अब ये बस कब चलेगी? रीना ने पूछा। ट्रैफिक पुलिस जब चलने का इशारा करेगी. तब बस चलेगी- शिक्षिका ने बताया। थोड़ी देर में ही चलने का इशारा हुआ और बस चलने लगी । बच्चे खुश हो गए।

**गतिविधि-** चित्र देख कर तीनो लाइट के नाम व कार्य लिखो -

लाल( Red)-

पीली(yellow)-

हरी (Green)-

**उत्तरमाला- 50**

**छात्र स्वयं करें**

**अभ्यास प्रश्न-**

1.ट्रैफिक सिग्नल में कितनी लाइट होती हैं?
2.हरी लाइट क्या कहती हैं ?
3.लाल लाइट जलने पर क्या करते हैं?
4.यातायात नियमो का पालन क्यों जरूरी हैं
5. बच्चे कहाँ जा रहे थे?
6. बच्चे किस साधन से घूमने जा रहे थे?

निर्माण - Dr Neetu Shukla, EMPS ,Bethar 1 9458278429

बच्चों ! आज की कक्षा में हम यातायात से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण व उपयोगी नियमों की बात करेंगे और उन्हें समझेंगे।

बच्चों ! चित्र को देखो! लाल बत्ती जल रही है, हमें रुकने का संकेत हुआ है। जब हरी बत्ती जलेगी तब बस फिर से चलेगी- शिक्षिका ने कहा। बच्चे बात कर ही रहे थे तभी हरी बत्ती जली और बस आगे बढ़ गई । चलती बस में बच्चों की खुसुर-फुसुर जारी थी । एक ने कहा- चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस और बत्तियाँ क्यों लगाई· गई हैं? दूसरे ने कहा- हमारे गाँव में तो यह सब नहीं है।बच्चों की जिज्ञासा बढ़ती देख शिक्षिका ने कहा-तुम देख ही रहे हो कि शहर में कितने अधिक वाहन चल रहे हैं। जगह-जगह चौराहे है, जहाँ एक सड़क दूसरी सड़क को काटती है। सभी सुरक्षित चलें, जाम न लगे. इसके लिए चौराहों पर कहीं ट्रैफिक पुलिस और कहीं बत्तियों लगाई गई हैं। इन बत्तियों के जलने बुझने का एक नियम होता है जिसे सभी को पालन करना अति आवश्यक है।

**उत्तरमाला क्रमांक 51**

1.3 4.सुरक्षा हेतु

2.चलो(go) 5.शहर

3.रुकते है(stop) 6.बस

**अभ्यास कार्य-**

**रिक्त स्थानों की पूर्ति-**

1.यातायात के नियमों का -- करना चाहिए।

2.यातायात के नियम हमारी -- के लिए है।

3.ट्रैफिक सिग्नल में --- लाइट होती हैं।

4.लाल लाइट पर हमें ---जाना चाहिए।

5.हरी लाइट हमें ---को कहती है।

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो-**

1.ट्रैफिक सिग्नल में कितनी लाइट होती है?

2.लाइट का सही क्रम क्या होता है?

3.रुकने का संदेश कौन सी लाइट देती है?

4.जेब्रा क्रॉसिंग क्यों बनाई जाती है?

5.चौराहे पर कितनी सड़के होती है?

6.यातायात नियंत्रण कौन करता है?

निर्माण - Dr Neetu Shukla,EMPS Bethar 1,Unnao 9458278429

बच्चों ! आज हम यातायात के कुछ मुख्य नियमों के बारे में बात करेंगे।

1.सड़क पर हमेशा बायीं ओर चलें।
2.चौराहे पर लाल बत्ती देखकर रुकें।
3.पीली बत्ती जलने पर तैयार रहें।
4.हरी बत्ती होने पर चौराहा पार करें।
5.सड़क पार करने से पहले सड़क के दाएँ देखें फिर बाएँ देखें, फिर दाएँ देखें, वाहन नहीं आ रहा हो, तब सड़क पार करें।
6. पैदल चलते समय हमेशा फुटपाथ पर चलना चाहिए। फुटपाथ न हो तो अपनी बायीं तरफ सड़क के किनारे चलें।
7. पैदल चौराहा पार करने के लिए जेब्रा क्रासिंग पर चलकर ही सड़क पार करें।

***अभ्यास प्रश्न-***

*1. सड़क के किस ओर चलना चाहिए?*
*2.किस बत्ती के जलने पर रुकना चाहिए?*
*3.किस बत्ती के जलने पर चलना चाहिए?*
*4.सड़क पार करते समय किस ओर देखना चाहिए?*
*5.सड़क पार करते समय किसका प्रयोग करना चाहिए?*

रिक्त स्थानों की पूर्ति छात्र स्वयं करें।

***उत्तरमाला क्रमांक 52***

प्रश्नोत्तर-
1.3
2.लाल,पीली, हरी
3.लाल
4.पैदल सड़क पार करने के लिए
5.4
6.यातायात पुलिस

निर्माण -Dr Neetu Shukla EMPS Bethar, S.karan ,Unnao9458278429

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन
# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा-3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- 13 पाठ्य क्रमांक - 4

यातायात के नियम **54** प्रकरण- यातायात के संकेत

बच्चों ! हमने पिछली कक्षा में यातायात के साधनों व यातायात के आवश्यक नियमों के विषय में जाना था ।यातायात के नियम हमारी सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं।हमें इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए।

यातायात के सांकेतिक चिन्ह

यातायात के नियमों का पालन न करने पर दुर्घटनाएँ होती हैं। हमें इन नियमों का पालन करना चाहिए। स्कूटर, मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाएँ. जिससे दुर्घटना होने पर हम सुरक्षित रहें। कार एवं अन्य मोटर वाहन चलाते समय सीट-बेल्ट अवश्य लगाना चाहिए। सड़क पर चलते समय मोबाइल व हेडफोन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मोबाइल पर बात करते समय हम गाड़ियों के हॉर्न नहीं सुन पाते हैं. जिससे आपस में टकरा सकते हैं।

जेब्रा क्रासिंग का प्रयोग

## उत्तरमाला क्रमांक 53-

**प्रश्नोत्तर-**

1.बायीं (left)

2.लाल (red)

3.हरी (green)

4.दोनों तरफ (both side)

5.जेब्रा क्रासिंग( zebra crossing)

## अभ्यास कार्य-

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-**

1. आपने कभी वाहनों की टक्कर देखी है ?
2. ये टक्कर क्यों होती है?
3. टक्कर से बचने को क्या करना चाहिए?
4. बाइक पर हेलमेट क्यों लगाते हैं?
5. यदि हम यातायात के नियमों का पालन न करें तो क्या होगा?
6. सड़क पर मोबाइल का प्रयोग क्यों नही करना चाहिए?

निर्माण - Dr Neetu Shukla EMPS Bethar 1,S.karan,Unnao 9458278429

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा-3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- 13 पाठ्य क्रमांक - 5

यातायात के नियम **55** प्रकरण- अभ्यास कार्य

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

**1. ट्रैफिक सिग्नल में कितनी लाइट होती हैं?**

**2. हर लाइट हमें क्या संकेत देती हैं?**

**3. जेब्रा क्रॉसिंग कहाँ होती है?**

**4. जेब्रा क्रासिंग का क्या उपयोग है?**

**5. सड़क पर चलते समय दुर्घटनाएँ क्यों होती हैं?**

**6. स्कूटर चलाते समय हेलमेट पहनना क्यों आवश्यक है ?**

**7. यातायात संकेतों का पालन क्यों जरूरी है?**

**8. फलों के छिलके, नमकीन या बिस्किट के खाली पैकेट हमें कहाँ फेंकना चाहिए?**

## नीचे दिए गए यातायात के नियम सम्बन्धी संकेतों को पहचान कर उनके नाम लिखो-

## रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

1. हमें--------------का पालन करना चाहिए।
2. हरी लाइट हमें--------का संकेत देती है।
3. सड़क पार करने के लिए--------का प्रयोग करना चाहिए।
4. दुपहिया वाहन चलाते समय------का प्रयोग करना चाहिए।
5. गाड़ी चलाते समय------का प्रयोग नही करना चाहिए।
6. कूड़ा--------में फेंकना चाहिए।

## उत्तरमाला क्रमांक-54

1. देखी है।
2. लापरवाही के कारण
3. यातायात नियमों का पालन
4. दुर्घटना से बचाव के लिए
5. दुर्घटना व जानमाल की क्षति
6. दुर्घटना से बचने के लिए

निर्माण - Dr Neetu Shukla EMPS Bethar 1,S.karan,Unnao 9458278429

## संचार के साधन

56

**प्रकरण-** संचार साधनों की समझ व उपयोगिता

बच्चों ! आप अपनी बात दूसरों तक कैसे पहुँचातें है ? जब कोई हमारे पास होता है तब हम अपनी बात उस तक बोल कर पहुँचातें हैं परन्तु जब कोई हमसे दूर होता है तब हमें अपना संदेश उन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न साधनों का प्रयोग करना पड़ता हैं। ये साधन ***संचार के साधन*** कहलाते हैं आज की कक्षा में हम इन संचार के साधनों के विषय में बात करेंगे।

***संचार साधनों की उपयोगिता-***

संचार के साधनों के जरिए हम घर बैठे ही दूर-दूर के लोगों से जुड़ते हैं। टेलीविजन, रेडियो, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, टेलीफोन, कम्प्यूटर, मोबाइल फोन आदि संचार के साधन हैं। इनसे हमें कई तरह की जानकारी या सूचनाएँ मिलती हैं-

* देश विदेश की घटनाओं की जानकारी
* मौसम की जानकारी
* खेती की जानकारी
* मनोरंजन के कार्यक्रम-कार्टून, फिल्म, संगीत, धारावाहिक।
* खेल से संबंधित कार्यक्रम की जानकारी
* सीखने-सिखाने संबंधी शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी

Telephone

Newspaper

Television

Magazine

Computer

Radio

Cell phone

Letters

***अभ्यास प्रश्न-***

1. संचार के साधन किसे कहते हैं?
2. इनकी क्या उपयोगिता हैं ।
3. मौसम की जानकारी कैसे प्राप्त होती है
4. आप ऑनलाइन पढ़ाई कैसे करते हो?
5. दूर बैठे व्यक्ति से हम कैसे बात करते है
6. मनोरंजन कार्यक्रम हम कहां देखते है?

***उत्तरमाला क्रमांक 55***

***छात्र स्वयं करें***

कक्षा- 3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- 14 पाठ्य क्रमांक - 2

संचार के साधन



प्रकरण- विभिन्न प्रकार के संचार साधन

Postman (डाकिया)

**एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश या सूचना को पहुँचाने के माध्यम को संचार के साधन कहते हैं।** ये सूचनाएँ बातचीत द्वारा प्राप्त होती हैं, लिखित रूप में मिलती हैं तथा चित्र के रूप में भी हो सकती हैं।

## चिट्ठी या पत्र-

क्या तुम्हें पता है कि बहुत समय पहले अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के लिए संदेशवाहक होते थे जो संदेश को एक जगह से दूसरी जगह ले जाते थे । संदेश पहुँचाने के लिए कबूतर का भी प्रयोग किया जाता था। इस तरह से संदेश भेजने में बहुत समय लगता था। धीरे-धीरे चिट्ठी द्वारा संदेश भेजा जाने लगा। इस कार्य के लिए डाकिया होते हैं जो चिट्ठी या पत्र को एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं। चिट्ठी द्वारा संदेश भेजने में समय लगता है।

## उत्तरमाला क्रमांक 55

1. संदेश पहुंचने वाले साधन
2. सभी क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त होती है।
3. टी.वी,रेडियो
4. मोबाइल ,लैपटॉप ,टी.वी.
5. टेलीफोन ,मोबाइल फ़ोन
6. टी.वी. ,रेडियो

## अभ्यास प्रश्न-

1. पहले हम पत्र किस माध्यम से भेजते थे?
2. राजा अपना पत्र किस प्रकार भेजते थे?
3. आज पत्र भेजने के लिए हम क्या करते हैं?
4 .पत्र हम किसे लिखते हैं?
5. एक स्थान से दूसरे स्थान तक पत्र कौन पहुंचाता है?
6 .चिट्ठी कितने समय मे संदेश पहुंचाती है?

## गतिविधि-

आप अपने घर मे जिन संचार साधनों का उपयोग करते है ,उनमें से किन्ही पांच का चित्र बना कर नाम लिखो।

## कला संबंधित गतिविधि-

टी.वी., रेडियो अथवा पोस्टमैन का सुंदर चित्र बना कर रंग भरो एवं उनके विषय मे पांच पंक्तियां लिखो।



निर्माण - Dr Neetu Shukla ,EMPS- Bethar 1 ,S.karan, Unnao 9458278429

शिक्षा का उत्थान

दैनिक पठन-पाठन

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा- 3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- 14 पाठ्य क्रमांक - 3

संचार के साधन **58** प्रकरण- संचार के विभिन्न साधन

बच्चों ! कल की कक्षा में हमने संचार के मुख्य साधनों के विषय मे बात करते हुए पत्र के बारे में व पत्र पहुंचाने के माध्यमों की चर्चा की थी।आज की कक्षा में हम संचार के कुछ और साधनों के विषय में बात करेंगे--

***टेलीफोन-***

टेलीफोन के द्वारा हम घर बैठे बहुत दूर तक अपने सगे- संबंधियों या दोस्तों से बातचीत कर सकते हैं।

***मोबाइल फ़ोन-***

मोबाइल फोन को हम एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी बातचीत कर सकते हैं। आज मोबाइल फोन का प्रयोग केवल बात करने में नहीं होता बल्कि हम इसके माध्यम से कई तरह के कार्य कर सकते हैं जैसे-

* लिखित संदेश भेज सकते हैं।
* चित्र के रूप में संदेश भेज सकते हैं।
* फोटो व वीडियो बना सकते हैं।
* कई तरह की सूचनाएँ प्राप्त कर सकते हैं, जैसे- खेल, शिक्षा, रोजगार इत्यादि।

***कंप्यूटर-***

*आज कम्प्यूटर का प्रयोग सूचना लेने में बहुत ज्यादा हो रहा है। ई-मेल एक बार में बहुत लोगों को संदेश पहुँ हैं।*

***अभ्यास कार्य-***

प्रश्नोत्तर--

1. किन्ही दो संचार साधनों के नाम लिखो?
2. प्राचीन काल में संदेश कैसे भेजते थे?
3. पत्र कौन ले जाता है?
4. आजकल पत्र हम कह डालते है?
5. पत्र पेटिका किसे कहते है?
6. दूर के व्यक्ति से हम कैसे बात करते है?
7. कंप्यूटर क्या कार्य करता है?

***गतिविधि--***

ऊपर दिए गए चित्र में दिए गए संचार साधनों को पहचान कर उनके नाम व कार्य लिखो।

***उत्तरमाला क्रमांक 57***

1.कबूतर 2. पत्रवाहक घुड़सवार
3. डाकघर भेजते है 4. दूर के लोगों को
5.डाकिया 6. कई दिनों में


निर्माण - Dr Neetu Shukla EMPS Bethar 1 ,S.karan,Unnao 9458278429

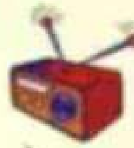

बच्चों ! आज की कक्षा में हम दूरदर्शन व रेडियो के विषय मे बातचीत करेंगे एवं इनकी उपयोगिता को समझेंगे। रेडियो पर अनेक शैक्षिक, मनोरंजक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आते हैं।आज के कोरोना काल मे आपकी पढ़ाई भी ऑनलाइन चल रही है । रेडियो व दूरदर्शन पर विभिन्न कार्यक्रम दिखाए जा रहे है । इन कार्यक्रमो को देख कर आप अपनी पढ़ाई कर सकते है।

**गतिविधि-**

चित्र देखो और नीचे दी गई तालिका में संचार के साधनों के नाम लिखो-

पढ़ने वाले साधन -

सुनने वाले साधन -

देखने व सुनने वाले साधन -

**अभ्यास प्रश्न -**

अपने शिक्षक या बड़ों से पता करो -

*आपके आसपास डाकघर कहाँ है ?

* डाकघर में किस तरह की चिट्ठियाँ आती हैं?

* पत्र पेटिका क्यों लगाई जाती हैं?

* चिट्ठियों एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचती हैं ?

* चिट्ठियाँ हमारे पास कौन पहुँचाता है ?

**उत्तरमाला क्रमांक 58**

1.टी वी,रेडियो
2.कबूतर
3.पत्रवाहक
4.डाकघर
5.पत्र एकत्र करने का बक्सा
6.टेलीफोन,मोबाइल
7. गणना व ई मेल



निर्माण - Dr Neetu Shukla,EMPS Bethar 1 ,S.karan Unnao 9458278429

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन

## मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- 14 पाठ्य क्रमांक - 5

संचार के साधन **60** प्रकरण- संचार साधनों के प्रयोग में सावधानियां

संचार के साधन हमारे बहुत काम आते हैं लेकिन इनका प्रयोग करते समय कुछ सावधानियाँ अवश्य रखें-

1.सड़क पर चलते या सड़क पार करते समय मोबाइल फोन पर बात न करें।

2. रेडियो या टेलीविजन तेज आवाज़ में न चलाएँ । तेज आवाज़ से दूसरों को परेशानी हो सकती है।

3. टेलीविजन बहुत पास से न देखें पास से देखने पर आँखें खराब हो सकती हैं।

4. बच्चों को कंप्यूटर और मोबाइल बहुत कम प्रयोग करना चाहिए।

**अभ्यास कार्य -**

***1. प्रश्नों के उत्तर लिखो-***

(क) संचार के साधन किसे कहते हैं ?

(ख) संचार के साधनों के लाभ लिखो।

(ग) किन्हीं दो संचार साधनों के नाम एवं उनकी उपयोगिता लिखो।

(घ) डाकिया के क्या कार्य होते हैं ?

***2. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (x) का निशान लगाओ-***

(क) सड़क पर चलते समय मोबाइल फोन पर बात करनी चाहिए ( )

(ख) टेलीविजन बहुत पास से नहीं देखना चाहिए ( )

(ग) रेडियो बहुत तेज आवाज में सुनना चाहिए ( )

(घ)कंप्यूटर से संदेश भेजने में देरी होती है ( )

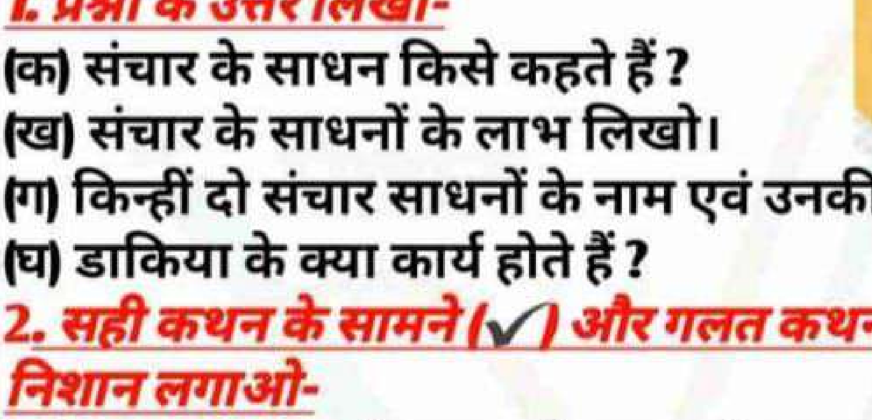


***उत्तरमाला क्रमांक 59***

1. गाँव या बाज़ार में
2. पारिवारिक
3. पत्र एकत्र करने हेतु
4. ट्रेन द्वारा
5. डाकिए द्वारा

निर्माण - Dr Neetu Shukla EMPS Bethar 1,S.Karan,Unnao 9458278429

शिक्षा का उत्थान

# दैनिक पठन-पाठन
# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 3

विषय- हमारा परिवेश

पाठ- कूकी कोयल कुल्हड़ ला

पाठ्य क्रमांक - 61

प्रकरण- कूकी और गुनगुन

एक थी गौरैया, जिसका नाम था गुनगुन ।
गुनगुन की मित्र थी कोयल । उसका नाम था कूकी।
गुनगुन के बच्चों को अंडों से बाहर आया देखकर कूकी ने
गुनगुन से कहा-- बच्चे अंडे से बाहर आ गए हैं।
इस खुशी में दावत तो होनी ही चाहिए।
गुनगुन ने कहा-
कूकी पहले मुँह को धो ले
मुँह धोकर तू सुन्दर हो ले
सुन्दर बन कर घर आना
फिर मैं तुझे खिलाऊँ खाना।
कूकी उड़कर नदी के पास पहुँची
नदी मुझको पानी दे
पानी से मैं मुंह को धो लूँ
गुनगुन की दावत है खानी
मेरे मुँह में आया पानी
नदी ने कहा-
कूकी कैसे पानी दूं
पहले जाकर बर्तन ला
बर्तन में तू पानी भर
मुँह धो ले तू जी भरकर
कूकी उड़कर कुम्हार के पास पहुंची-
कुम्हार भइया चाक चला
. चाक चला कर कुल्हड़ बना
कुल्हड़ में मैं पानी भर लूँ
पानी से मैं मुँह को धो लूँ
मुँह धोकर मैं दावत खा लें

## अभ्यास प्रश्न

1-गौरैया का क्या नाम था?

2-कूकी ने गुनगुन से क्या कहा?

3- कूकी को कुल्हड़ की जरूरत क्यों पड़ी?

4-कुल्हड़ बनाने के लिए कुम्हार ने कूकी से क्या मांगा?

निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

कुम्हार ने कहा-

कूकी कैसे कुल्हड़ दूँ
पहले जाकर मिट्टी ला
मिट्टी से मैं कुल्हड़ बनाऊँ
उसे पका कर तुझे धमाऊँ।

कूकी उड़ कर मिट्टी के पास पहुंची-

मिट्टी मुझको मिट्टी दे
मिट्टी से कुल्हड़ बनवाऊँ
कुल्हड़ में पानी भर लाऊँ
पानी से मैं मुँह धो आऊँ
मुँह धोकर मैं दावत खाऊँ।

मिट्टी ने कहा-

कूकी तेरी चोंच है तेज
चोंच से ले तू मिट्टी खोद
मिट्टी जाकर दे कुम्हार को
उससे ले ले कुल्हड तू
भर ले उसमें पानी तू
पानी से अपना मुँह धोकर
खा गुनगुन की दावत तू।

चोंच से मिट्टी खोद कर कूकी ने कुम्हार को दिया। कुम्हार ने चाक पर मिट्टी से कुल्हड़ बनाया और उसे आग में पका कर कूकी को दिया। कूकी ने कुल्हड़ में नदी से पानी भरा और मुँह धोकर दावत खाने गुनगुन के पास पहुँच गई। गुनगुन ने कूकी को मिट्टी के बर्तनों में स्वादिष्ट खाना खिलाया। कूकी दावत का खाना खाकर खुश हुई और बच्चों को आशीर्वाद देकर उड़ गई।

## गतिविधि

बनाओ और सजाओ-

मिट्टी को गूंधकर एक मोटी गोल चपाती बनाएँ, मिट्टी के लम्बे साँप बनाकर चपाती के किनारे चिपकाकर थाली बनाएँ। थाली को सुखा कर उसे मनपसंद रंग से रंगें।

## अभ्यास प्रश्न

1- कुल्हड़ बनाने के लिए कुम्हार ने कूकी से क्या माँगा?

2- गुनगुन ने किन बर्तनों में कूकी को खाना खिलाया?

3- क्या तुम्हारे घर में मिट्टी के बर्तन हैं ? उनके नाम बताओ।

## उत्तरमाला क्रमांक-61

1-गौरैया का गुनगुन नाम था

2-कूकी ने गुनगुन से कहा- बच्चे तो अंडे से बाहर आ गए हैं। इस खुशी में दावत होनी चाहिए।

3- कूकी को कुल्हड़ की जरूरत पानी भरने के लिए पड़ी।


निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429

1- सही कथन के सामने ( √) एवं गलत कथन के सामने (x) का निशान बनाएँ

(अ) हमें सदैव सड़क के बाई ओर चलना चाहिए।( )

(ब) बाइक चलाते समय सिर पर हेलमेट नहीं लगाना चाहिए। ( )

(स) सड़क पार करते समय मोबाइल पर बात नहीं करनी चाहिए।( )

(द) कूड़ा इधर-उधर फेंक देना चाहिए।( )

2- पुराने समय में संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग होता था, बड़ों से पता करके लिखो।

3- मिट्टी के बर्तनों के चित्रों को देखो और इसके उपयोग से मिलान करो-

ठंडा पानी

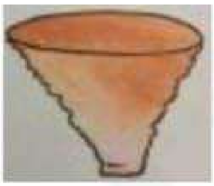

दीपावली

चाय/पानी

खेलना

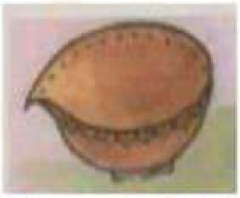

4- पुराने अखबार एवं पत्रिकाओं से संचार के साधनों के चित्रों को इकट्ठा कर उन्हें कॉपी या चार्ट पर चिपकाओ एवं उनके नाम लिखो।

5- यदि हम यातायात के नियमों का पालन न करें तो क्या होगा?

अभ्यास प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे

## उत्तरमाला क्रमांक -62

1- मिट्टी

2- मिट्टी के बर्तन- कुल्हड़ में

3- सुराही और मटका में पानी रखते हैं।

दीया- दीया जलाते हैं।

कुल्हड़ चाय और लस्सी पीने के काम आता है।

निर्माण - डॉ उषा सिंह,सं वि.भरथरा,का.वि.पी., वाराणसी 9458278429